आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 50 | उज्जैन, शुक्रवार 10 जनवरी 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

मध्यप्रदेश में प्लास्टिक उद्योग के विकास की अपार संभावनाएं- मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने किया प्लास्टिक उद्योग सम्मेलन प्लास्टपैक 2025 का शुभारंभ

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में प्लास्टिक उद्योग के विकास की अपार संभावनाएं हैं। यह उद्योग का नया क्षेत्र है और इसका बड़ा बाजार है। इस उद्योग में रोजगार की भी बेहतर और बड़े अवसर हैं। प्लास्टिक उद्योग के विकास के लिए इसके दुष्प्रभाव को दूर कर सावधानी रखते हुए आगे बढ़ेंगे। प्लास्टिक के दुष्प्रभावों को दूर करने के लिए रियूज और वेस्ट मैनेजमेंट को बढ़ावा दिया जाएगा। रियूज और वेस्ट मैनेजमेंट की तकनीक को विक?सित करने के लिए वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों की मदद भी ली जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरूवार को इंदौर में प्रारंभ हुए प्लास्टिक उद्योग सम्मेलन प्लास्टपैक 2025 को संबोधित कर रहे थे। यह सम्मेलन 12 जनवरी तक उद्योग मेले के रूप में चलेगा। इसमें प्लास्टिक उद्योग से जुड़ी 400 से अधिक कंपनियां और 2 हजार से अधिक प्रदर्शक हिस्सा ले रहे हैं। यह कार्यक्रम मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम (एमपीआईडीसी) के सहयोग से हो रहा है। इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, विधायक श्री रमेश मेंदोला तथा श्री मधु वर्मा, महापौर परिषद के सदस्य श्री अभिषेक शर्मा तथा इंडियन प्लास्टपेक फोरम के चेयरमेन श्री सचिन बंसल आदि मौजूद थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्लास्टिक उद्योग के विकास की प्रदेश में अपार संभावनाएं हैं। इस उद्योग के विकास में पूरी मदद दी जाएगी। बदलते दौर में प्लास्टिक का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। यह जीवन उपयोगी भी है। प्लास्टिक ने अपनी उपयोगिता कोविड काल में साबित की है। यह जीवन रक्षक के रूप में सामने आया है।

इसरो ने स्पेडेक्स मिशन के 'डॉकिंग' प्रयोग को फिर टाला, बताई इसके पीछे की वजह

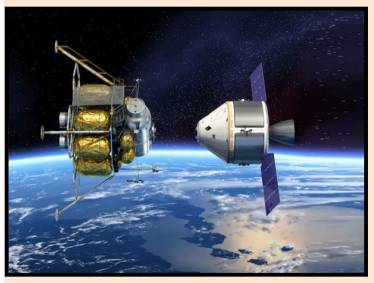

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने बुधवार को दो उपग्रहों को जोड़ने से संबंधित अंतरिक्ष डॉकिंग प्रयोग (स्पेडेक्स) को दूसरी बार स्थगित कर दिया है। सात जनवरी को पहली बार स्थगित होने के बाद मिशन को गुरुवार, नौ जनवरी को डॉकिंग के लिए पुनर्निर्धारित किया गया था। अगर इसरो अपने इस मिशन में सफल रहा तो भारत अंतरिक्ष डॉकिंग तकनीक रखने वाला दुनिया का चौथा देश बन जाएगा।

इसरो ने डॉकिंग के प्रयोग के स्थगन की जानकारी एक्स पर पोस्ट करके दी। इसरो जानकारी दी कि उपग्रहों के बीच 225 मीटर की दूरी तक पहुंचने के लिए अभ्यास के कुछ खामी देखी गई। कल के लिए नियोजित डॉकिंग प्रक्रिया स्थगित कर दी गई है। उपग्रह सुरक्षित हैं।

इसरो ने 30 दिसंबर को किया था प्रक्षेपित- इसरो ने 30 दिसंबर को श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से पीएसएलवी सी60 राकेट की मदद से एसडीएक्स01 (चेजर) और एसडीएक्स02 (टारगेट) नामक दो उपग्रहों को इस मिशन के तहत प्रक्षेपित किया था। लगभग 220-220 किलोग्राम वजन वाले इन दोनों छोटे उपग्रहों को 475 किलोमीटर की गोलाकार कक्षा में स्थापित किया गया था।

बांग्लादेश ने शेख हसीना का पासपोर्ट रद किया तो भारत ने बढ़ाया का वीजा, अब क्या चाल चलेगी यूनुस सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के वीजा की अवधि को बढ़ा दिया है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है, जब बांग्लादेश उनके प्रत्यर्पण की मांग कर रही है। वहां की अंतरिम सरकार ने उनका पासपोर्ट रद कर दिया है।

बांग्लादेश के ट्रिब्यूनल ने हसीना के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट भी जारी किया है। बता दें कि बांग्लादेश में हिंसक छात्र आंदोलन के चलते गत पांच अगस्त को हसीना की अगुआई वाली अवामी लीग सरकार का पतन हो गया था। तब से वह भारत में ही रह रही हैं। सूत्रों के अनुसार, भारत ने बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना का वीजा बढ़ा दिया है।

उनके प्रवास को सुविधाजनक बनाने के लिए यह तकनीकी विस्तार है। उन्होंने यह भी दावा किया कि हसीना को शरण नहीं दी गई है। जबकि एक सूत्र ने इस बात की पुष्टि की है कि वह कड़ी सुरक्षा के बीच दिल्ली में एक सुरक्षित मकान में रह रही हैं। बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस की अगुआई वाली अंतरिम सरकार ने गत 23 दिसंबर को हसीना के प्रत्यर्पण के लिए औपचारिक मांग की थी।

दुनिया के सबसे शक्तिशाली पासपोर्ट की रैंकिंग जारी, नेपाल से भी पीछे पाकिस्तान; किस नंबर पर है भारत?

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के सबसे ताकतवर पासपोर्ट की रैंकिंग जारी हो गई है। हेनले ग्लोबल हर साल इस लिस्ट को जारी करता है। इसमें रैंकिंग तय करने का फॉर्मूला यह रखा जाता है कि पासपोर्ट रखने वाला व्यक्ति कितने देशों में बिना वीजा जा सकता है।

इस लिस्ट में पाकिस्तान का बुरा हाल है। उसे यमन के साथ 103वां स्थान दिया गया है। गौर करने वाली बात ये है कि यमन इस वक्त गृह युद्ध से जूझ रहा है। पाकिस्तान की रैंकिंग उत्तर कोरिया से भी खराब है।

किस देश का पासपोर्ट ताकतवर- इस रैंकिंग के मुताबिक, दुनिया का सबसे ताकतवर पासपोर्ट सिंगापुर का है। सिंगापुर को इस लिस्ट में पहला स्थान मिला है। सिंगापुर का पासपोर्ट रखने वाले लोग दुनिया के 195 देशों में बिना वीजा या फिर वीजा ऑन अराइवल की सुविधा के साथ जा सकते हैं।

अगर सिर्फ 2023 को छोड़ दें, तो 2021 से लेकर अब तक सिंगापुर इस लिस्ट में टॉप पर रहा है। हालांकि पिछले साल 2024 में उसे फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान और स्पेन के साथ संयुक्त रूप से पहला स्थान मिला था।

जापान इस बार पीछे- ताकतवर पासपोर्ट की रैंकिंग में जापान हर बार सिंगापुर को कड़ी टक्कर देता रहा हैं। इस साल उसे दूसरा रैंक मिला है। जापान के पासपोर्टधारक 193 देशों में बिना वीजा या वीजा ऑन अराइवल की सुविधा के साथ यात्रा कर सकते हैं।

2024 में जापान ने सिंगापुर और अन्य देशों के साथ पहला स्थान प्राप्त किया था। 2023 में उसने सिंगापुर को पछाड़कर पहला स्थान हासिल किया था। 2022, 2021 में वह सिंगापुर के साथ नंबर 1 पर बना हुआ था।

मोटर दुर्घटना पीड़ितों के लिए कैशलेस इलाज की नीति बनाए केंद- सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक ऐतिहासिक फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को मोटर दुर्घटना पीड़ितों के लिए जल्द से जल्द गोल्डन आवर में कैशलेस इलाज की योजना बनाने का निर्देश दिया है। मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा-2(12-ए) के तहत गोल्डन आवर घायल होने के बाद एक घंटे की अवधि को कहते हैं जिसमें इलाज मिलने से मृत्यु रोकी जा सकती है।

जस्टिस अभय एस. ओका और जस्टिस अगस्टीन जार्ज मसीह की पीठ ने बुधवार को मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 162(2) का हवाला दिया और सरकार को 14 मार्च तक योजना बनाने का आदेश दिया। पीठ ने कहा कि इसके बाद और समय नहीं दिया जाएगा।

मोटर दुर्घटनाएं बढ़ने के वर्तमान परिदृश्य में धारा-162 महत्वपूर्ण- अदालत ने योजना की एक प्रति 21 मार्च से पहले रिकॉर्ड पर रखने का निर्देश दिया, साथ ही सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय का संबंधित अधिकारी हलफनामा दाखिल करे जिसमें योजना के कार्यान्वयन के तरीका बताया गया हो। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, परिभाषा से देखा जा सकता है कि मोटर दुर्घटना में चोट के बाद का एक घंटा सबसे महत्वपूर्ण होता है। कई मामलों में अगर गोल्डन आवर में जरूरी इलाज नहीं दिया जाए तो घायल व्यक्ति जान गंवा सकता है। मोटर दुर्घटनाएं बढ़ने के वर्तमान परिदृश्य में धारा-162 महत्वपूर्ण है।

यूजीसी ने कुलपति की नियुक्ति के बदले नियम, अब नहीं पूरी करनी होगी ये शर्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्वविद्यालयों सहित देशभर के उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ाने वाले असिस्टेंट प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर व प्रोफेसर जैसे पदों पर भर्ती से जुड़े नियमों में बदलाव के साथ विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने विश्वविद्यालय में कुलपति की नियुक्ति से जुड़े नियमों में भी बड़ा बदलाव किया है। नए नियमों के अनुसार कुलपति के लिए अब दस साल का शिक्षण अनुभव अनिवार्य नहीं होगा।

बल्कि इसे लचीला बनाते हुए इसके लिए अब शिक्षण कार्य के साथ शोध, शैक्षणिक संस्थान, उद्योग व लोक प्रशासक आदि क्षेत्रों में भी दस साल का अनुभव रखने वाले इसके पात्र होंगे। अब तक कुलपति पद पर नियुक्ति के लिए दस साल का शिक्षण अनुभव जरूरी था।

महाकुंभ 2025 में अडानी का महासहयोग, प्रयागराज में रोज 1 लाख भक्तों को बांटेंगे महाप्रसाद

नई दिल्ली (एजेंसी)। मशहूर उद्योगपति गौतम अडानी की कंपनी अडानी ग्रुप ने अंतरराष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ (इस्कॉन) के साथ मिलकर उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ मेले में महाप्रसाद सेवा का आयोजन किया है। इस सेवा के तहत प्रतिदिन लगभग 1 लाख भक्तों को महाप्रसाद वितरित किया जाएगा, जिसमें 18,000 सफाई कर्मी भी शामिल होंगे। महाप्रसाद में रोटी, दाल, चावल, सब्जियां और मिठाई शामिल होंगी। इसके अलावा, अडानी ग्रुप विशेष रूप से दिव्यांग, बुजुर्ग और बच्चों के लिए गोल्फ कार्ट की सुविधा भी प्रदान करेगा, जिससे उन्हें मेले में आने-जाने में सुविधा हो सके। अडानी ग्रुप ने गोरखपुर स्थित गीता प्रेस के साथ भी एक साझेदारी की है, जिसके तहत करीब 1 करोड़ आरती संग्रह पुस्तकों की छपाई की जाएगी। इस आरती संग्रह में शिव, लक्ष्मी, गणेश, विष्णु, दुर्गा और अन्य देवी-देवताओं को समर्पित भक्ति गीत शामिल हैं। इन पुस्तकों को महाकुंभ मेले में निःशुल्क वितरित किया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस वर्ष महाकुंभ में लगभग 40 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है और इसे 6,382 करोड़ रुपये के बजट में आयोजित किया जा रहा है। महाकुंभ मेला 30 से 45 दिनों तक चलेगा। यह 13 जनवरी से 26 फरवरी, 2025 तक आयोजित होगा। प्रमुख स्नान तिथियों में 13 जनवरी को पौष पूर्णिमा स्नान (उद्घाटन दिवस), 15 जनवरी को मकर संक्रांति स्नान, 29 जनवरी को मौनी अमावस्या स्नान (शाही स्नान), 3 फरवरी को बसंत पंचमी स्नान (शाही स्नान), 12 फरवरी को माघी पूर्णिमा स्नान और 26 फरवरी को महाशिवरात्रि स्नान (समापन दिवस) शामिल हैं। हरिद्वार, प्रयागराज, उज्जैन और नासिक में महाकुंभ हर 12 वर्षों में आयोजित होता है। यह अपने आप में सबसे भव्य आयोजन माना जाता है। इसे दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन भी माना जाता है, जिसमें विश्वभर से लाखों श्रद्धालु संगम में स्नान करने आते हैं। मान्यता है कि पवित्र नदी में स्नान करने से पापों का नाश होता है और मोक्ष की प्राप्ति होती है।

बच्चे पैदा करो, 81 हजार रुपये लो... इस देश में 25 साल से कम उम्र की लड़कियों के लिए खास ऑफर

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस के कारेलिया में 25 वर्ष से कम उम्र की छात्राओं को स्वस्थ बच्चे को जन्म देने पर 100,000 रूबल (लगभग 81,000 रुपये) की पेशकश की गई है।

द मॉस्को टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, यह नीति देश की गिरती जन्मदर को सुधारने के लिए लागू की गई है। यह योजना 1 जनवरी से प्रभावी है। इसमें केवल वही महिलाएं पात्र होंगी, जो स्थानीय विश्वविद्यालय या कॉलेज में नियमित छात्रा हो, 25 वर्ष से कम उम्र की हो और कारेलिया की निवासी हो।

कानून में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि बोनस उन माताओं को नहीं मिलेगा जो मृत बच्चे को जन्म देती हैं। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि अगर बच्चे की अचानक शिशु मृत्यु सिंड्रोम के कारण मृत्यु हो जाती है तो भुगतान रद्द कर दिया जाएगा या नहीं। इसके अलावा, नीति में यह निर्दिष्ट नहीं किया गया है कि विकलांग बच्चों को जन्म देने वाली युवा माताएँ भुगतान के लिए पात्र हैं या नहीं, न ही यह बताया गया है कि क्या उन्हें बच्चे की देखभाल और प्रसवोत्तर रिकवरी की लागतों में मदद के लिए अतिरिक्त बोनस भुगतान मिलेगा।

रूस के अन्य क्षेत्रों में भी लागू हैं ऐसी व्यवस्था- रूस के अन्य क्षेत्र भी युवा महिलाओं को बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए इसी तरह के प्रोत्साहन लागू कर रहे हैं। मध्य रूस के एक शहर टॉम्स्क में भी इसी तरह का कार्यक्रम चल रहा है। कुल मिलाकर, रूस में कम से कम 11 क्षेत्रीय सरकारें कथित तौर पर जन्म देने वाली महिला छात्रों को वित्तीय प्रोत्साहन दे रही हैं।

राष्ट्रीय सरकार ने मातृत्व भुगतान में भी वृद्धि की है। 2025 से, पहली बार माँ बनने वाली महिलाओं को 677,000 रूबल (लगभग 6,150) मिलेंगे, जो पिछले वर्ष की 630,400 रूबल की राशि से ज्यादा है। इसके अतिरिक्त, दूसरे बच्चे को जन्म देने वाली माताओं को 894,000 रूबल (लगभग 8,130) मिलेंगे, जो 2024 में 833,000 रूबल से अधिक है।

घटती जनसंख्या बनी चिंता का कारण

उल्लेखनीय रूप से, कम जन्म दर, उच्च वयस्क मृत्यु दर और प्रवासन के कारण रूस की जनसंख्या घट रही है। यूक्रेन में युद्ध के कारण स्थिति और भी खराब हो गई है, जिसके परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में लोग हताहत हुए हैं और नागरिकों का बड़े पैमाने पर विदेश पलायन हुआ है।

रूसी सरकार नकद प्रोत्साहन और आवास सहायता सहित विभिन्न उपायों के माध्यम से जन्म दर को बढ़ाने की कोशिश कर रही है। हालाँकि, इन प्रयासों को सीमित सफलता मिली है और जन्म दर कम बनी हुई है। सरकार की नीतियों की आलोचना भी की गई है कि वे अदूरदर्शी हैं और जनसांख्यिकीय संकट को बढ़ावा देने वाले अंतर्निहित मुद्दों को संबोधित करने में विफल रही हैं।

नौकरी करनी है तो निगलना होगा आग का गोला, आखिर क्यों चीन की इस कंपनी ने की कर्मचारियों से अजीबो-गरीब मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन से कई बार अजीबो गरीब खबरें सामने आती रहती हैं। वहीं अब एक बार फिर से सोशल मीडिया पर चीन की एक कंपनी को लेकर खबर सामने आ रही है।

मिली जानकारी के अनुसार, चीन की एक कंपनी ने अपने कर्मचारियों को आग खाने के लिए मजबूर किया। अजीबो गरीब 'टीम-बिल्डिंग' इवेंट में कर्मचारियों से जलती हुई रुई की कलियां मुंह में डालकर बुझाने के लिए कहा गया। जिसके बाद अब कंपनी को अपनी इस हरकत के लिए सोशल मीडिया पर लोगों की आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। रोंगरोंग नामक एक सोशल मीडिया यूजर ने इस घटना का खुलासा किया। रोंगरोंग ने खुलासा किया कि वह आग खाने की गतिविधि में शामिल होने के लिए तैयार नहीं थी, लेकिन उसे अपनी नौकरी खोने के डर से ऐसा करने के लिए दबाव महसूस कराया गया। करीब 60 कर्मचारियों ने इस इवेंट में भाग लिया था। जिन्हें 6 ग्रुप में बांटा गया था।

कहां है ये कंपनी? - जियाओक्सियांग मॉर्निंग न्यूज के अनुसार, यह कंपनी पूर्वोत्तर चीन के लियाओनिंग प्रांत में स्थित एक शिक्षा संगठन है। कंपनी ने कर्मचारियों से कहा कि इससे उन्हें डर पर काबू पाने और आत्मविश्वास बढ़ाने में मदद मिलेगी। इसका उद्देश्य कंपनी के नेतृत्व को हमारा दृढ़ संकल्प दिखाना था. यह दिखाना था कि हम जीतना चाहते हैं और हम पैसा कमाना चाहते हैं।

कर्मचारियों ने कंपनी को लेकर क्या कहा?

रोंगरोंग ने कहा कि मुझे यह अपमानजनक लगा। इस कार्यक्रम ने श्रम कानूनों का उल्लंघन किया है और वे अधिकारियों के पास कंपनी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने की योजना बना रही हैं। कंपनी ने अभी तक इस आरोप का जवाब नहीं दिया है।

निज्जर हत्याकांड के आरोपी भारतीयों को कनाडाई कोर्ट ने दी जमानत, सबूत नहीं दे पाई पुलिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के सिलसिले में गिरफ्तार किए गए सभी चार भारतीय नागरिकों को कनाडा की एक अदालत ने जमानत दे दी है। अब उनके खिलाफ कनाडा के सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी। ट्रायल अगले महीने शुरू होगा। करण बरार, कमलप्रीत सिंह, करणप्रीत सिंह और अमनदीप सिंह को पिछले साल मई में निज्जर हत्या की जांच के सिलसिले में कनाडा की रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस ने गिरफ्तार किया था। उन पर फर्स्ट डिग्री हत्या और हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया गया था। सरे प्रांतीय न्यायालय ने उन्हें ब्रिटिश कोलंबिया सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई से पहले जमानत दे दी। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई 11 फरवरी को होनी है। बता दें कि निज्जर की हत्या 18 जून, 2023 को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में एक गुरुद्वारे के बाहर हुई थी। करन बराड़, अमनदीप सिंह, कमलप्रीत सिंह, और करनप्रीत सिंह नाम के चारों आरोपियों के खिलाफ नवंबर 2024 में चार्जशीट दायर की गई थी। बाद में इन आरोपियों ने कोर्ट में जमानत के लिए अपील की थी, जिसे मंजूर कर लिया गया। अदालती दस्तावेजों के अनुसार, चार में से तीन आरोपी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुनवाई में शामिल हुए, जबकि एक ने वकील के माध्यम से अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। सीएनएन-न्यूज18 ने सूत्रों के हवाले से लिखा कि कनाडाई पुलिस आरोपियों के खिलाफ पुख्ता सबूत पेश नहीं कर सकी।

सांसद प्रियंका चतुर्वेदी के समर्थन में उतरे एलन मस्क, कहा- बात तो सही है

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तानी ग्रूमिंग गैंग ने ब्रिटेन की सियासत में हलचल पैदा कर दी है। भारत में भी इस मुद्दे पर बात हो रही है। गौरतलब है कि जब शिवसेना (उद्धव गुट) की नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने पाकिस्तानी ग्रूमिंग गैंग को लेकर एक पोस्ट किया तो टेस्ला के मालिक एलन मस्क ने इसपर प्रतिक्रिया दी। दरअसल, पाकिस्तान के इस गैंग को ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर समेत कुछ लोग एशियन ग्रूमिंग गैंग भी बता रहे हैं। इस बात पर प्रियंका चतुर्वेदी ने आपत्ति जाहिर की। उनकी आपत्ति पर एलन मस्क ने भी सहमति जताई।

मस्क ने प्रियंका चतुर्वेदी की बात पर क्या कहा- प्रियंका गांधी ने एक्स पर लिखा, ब्रिटेन में ये एशियन ग्रूमिंग गैंग नहीं है, बल्कि पाकिस्तानी ग्रूमिंग गैंग हैं. एशियाई लोगों को एक बहुत ही दुष्ट राष्ट्र के लिए क्यों दोषी ठहराया जाना चाहिए?' शिवसेना ब्रह्म सांसद की इस बात पर एलन मस्क ने सहमति जताते हुए कहा, हां प्रियंका चतुर्वेदी की बात सही है। प्रियंका चतुर्वेदी ने ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की उस टिप्पणी पर प्रतिक्रिया दी, जिसमें उन्होंमे पाकिस्तान गैंग को एशियाई गैंग बताया था।

हमास को फंड देते हैं जॉर्ज सोरोस! एलन मस्क ने शेयर की रिपोर्ट, कहा- उन्हें मानवता से नफरत

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी निवेशक जॉर्ज सोरोस का मुद्दा सिर्फ भारत ही नहीं, अमेरिका में विवादास्पद है। पहले जो बाइडन द्वारा सोरोस को सम्मानित किए जाने पर एलन मस्क ने सवाल उठाए थे। अब मस्क ने सोरोस को मानवता का दुश्मन बता दिया है।

सोशल मीडिया साइट एक्स पर उन्होंने एक न्यूज रिपोर्ट शेयर की। इसके मुताबिक, यूएन में इजरायल के प्रतिनिधि ने जॉर्ज सोरोस पर हमास के समर्थक एनजीओ को फंड करने का आरोप लगाया है। मस्क ने लिखा, जॉर्ज सोरोस की मानवता के प्रति नफरत में इज़राइल भी शामिल है।

सोरोस पर पहले भी भड़के मस्क- एलन मस्क इससे पहले भी जॉर्ज सोरोस पर अपना गुस्सा जाहिर कर चुके हैं। कुछ दिनों पहले जब अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने सर्वोच्च नागरिक सम्मान के लिए 19 नामों का एलान किया था, तो इस लिस्ट में जॉर्ज सोरोस का नाम भी शामिल था। सोरोस को प्रेजिडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम मिलने पर मस्क ने इसे हास्यास्पद बताया था। उन्होंने एक मीम भी शेयर किया था, जिसमें जो बाइडन स्टार वार्स फिल्म के विलेन डार्थ सिडियस को मेडल पहनाते हुए नजर आ रहे थे।

कौन हैं जॉर्ज सोरोस- जॉर्ज सोरोस एक अमेरिकी अरबपति हैं। उनके बारे में कहा जाता है कि उन्होंने 1992 में शॉर्ट सेलिंग से बैंक ऑफ इंग्लैंड को बर्बादी की कगार तक पहुंचाने की स्थिति पैदा कर दी थी। वह हंगरी में एक यहूदी परिवार में जन्मे थे। उन्होंने शेयर मार्केट में पैसा लगाकर करीब 44 अबर डॉलर कमाये थे।

1979 में सोरोस ने ओपन सोसाइटी फाउंडेशन की स्थापना की थी। इस संगठन को लोकतंत्र और मानवाधिकार के काम करने के लिए स्थापित किया गया था।

अमेरिका में कम वेतन पर नौकरी देने वाले भारतवंशी डॉक्टर का लाइसेंस रद्द, टैक्स चोरी का भी लगा आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में एक भारतवंशी चिकित्सक का मेडिकल लाइसेंस स्थायी तौर पर रद कर दिया गया। उन पर दो भारतीय महिलाओं को कम वेतन पर नौकर रखने और दुव्यर्वहार का आरोप लगाया गया था।

न्यू जर्सी के कोलोनिया में रुमेटोलाजी प्रैक्टिस करने वाली डॉ. हर्षा साहनी को गलत टैक्स रिटर्न दाखिल करने के आरोपों में भी दोषी ठहराया गया है। साहनी को सितंबर 2023 से चिकित्सा अभ्यास से अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया था, क्योंकि राज्य ने उनकी आपराधिक याचिका के मद्देनजर उनका लाइसेंस रद करने के लिए एक प्रशासनिक कार्रवाई की थी।

पीड़ितों के शोषण का आरोप- अटॉर्नी जनरल प्लैटकिन ने कहा कि आज लाइसेंस रद करने की घोषणा के बाद मामले का पटाक्षेप हो गया है। एक चिकित्सक ने देखभाल और करुणा को बनाए रखने की शपथ ली थी, जबकि उसने अपने वित्तीय लाभ के लिए कमजोर पीड़ितों का शोषण किया।

चिकित्सा पेशे में इस तरह के आपराधिक आचरण और मानवता के प्रति घोर उपेक्षा के लिए कोई जगह नहीं है। उपभोक्ता मामलों के प्रभाग के निदेशक कैरी फैस ने कहा, डॉ. साहनी ने जिन महिलाओं को अवैध रूप से आश्रय दिया था, उनके साथ किए गए व्यवहार ने चिकित्सा पेशे के सबसे बुनियादी नियमों का उल्लंघन किया।

चीन ने अपने ही मित्र पुतिन को दे दिया करारा झटका, बीच समंदर क्यों रोका 8 ऑयल टैंकरों का बेड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस और चीन की दोस्ती किसी से छिपी नहीं है। दुनिया के इन दोनों महाशक्तिशाली देशों के संबंध 1950 के दशक से ही मजबूत रहे हैं। करीब तीन साल पहले जब रूस ने यूक्रेन पर हमला बोला, तब भी चीन ने उसकी आलोचना नहीं की।

खबर यहां तक आती रही कि यूक्रेन जंग में चीन रूस को बड़े पैमाने पर हथियारों की आपूर्ति कर रहा है। खुद चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग भी पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद मॉस्को का दौरा किया लेकिन अब एक ऐसी खबर आई है, जिसने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को करारा झटका दिया है। चीन के सबसे बड़े बंदरगाह के अधिकारियों ने अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण रूस के बड़े-बड़े तेल टैंकरों को ले जा रहे आठ जहाजों के बेड़े को अपने बंदरगाह पर आने से रोक दिया है। रॉयटर्स ने तीन व्यापारियों के हवाले से इस चीनी प्रतिबंध की पुष्टि की है। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि पूर्वी चीन के शांदोंग पोर्ट ग्रुप ने रूसी तेल टैंकरों के बेड़े पर ये प्रतिबंध लगाया है। इस क्षेत्र में स्थित कई ऑयल रिफाइनरीज विदेशी तेल के प्रमुख आयातक रहे हैं। चीन दुनिया में कच्चे तेल का सबसे बड़ा आयातक है और फरवरी 2022 के बाद से वह रूसी कच्चे तेलों का सबसे बड़ा आयातक रहा है क्योंकि पश्चिमी देशों ने रूस पर कड़े प्रतिबंध लगा रखे हैं। बावजूद इसके चीनी बंदरगाह ने रूसी जहाजों को वहां अनलोडिंग या डॉकिंग करने से रोक दिया है। यह प्रतिबंध सिर्फ शांदोंग बंदरगाह पर नहीं लगाया गया है बल्कि नजदीकी पोर्ट रिझाओ, यंताई और किंगदाओ पर भी है, जिसका संचालन शांदोंग पोर्ट ग्रुप करता है।

दुनियाभर में इन 10 नौकरियों की डिमांड, कैशियर और क्लर्क जैसी जॉब्स हो रहीं खत्म

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नियोक्ता नई टेक्नोलॉजी को अपनाने में दुनिया भर में सबसे आगे हैं। इस साल 35 फीसदी भारतीय कंपनियां सेमीकंडक्टर्स और एडवांस कम्प्यूटिंग अपनाएंगी। 21 फीसदी कंपनियां क्वांटम और एन्क्रिप्शन टेक्नोलॉजी की मदद से ऑपरेशन्स बदलाव की उम्मीद कर रही हैं।

न्यू टेक्नोलॉजी से साल 2030 तक दुनिया भर में 7.8 करोड़ नई नौकरियां पैदा होंगी। प्रशासनिक सहायक, कैशियर, क्लर्क और ग्राफिक्स डिजाइन समेत कई पारंपरिक नौकरियां खत्म भी हो जाएंगी। हाल ही में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम ने फ्यूचर ऑफ जॉब्स रिपोर्ट- 2025 नाम से एक रिपोर्ट जारी की है, जिसमें यह दावा किया गया है। फ्यूचर ऑफ जॉब्स रिपोर्ट- 2025 के मुताबिक, 2030 तक भारत में नौकरियों का भविष्य अलग-अलग देशों के बीच तनाव, डिजिटल एक्सेस और जलवायु परिवर्तन रोकने के प्रयासों के चलते प्रभावित होगा।

फ्यूचर ऑफ जॉब्स क्या बदलेगा - वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम रिपोर्ट में कहा गया है कि 2030 तक दुनिया भर में 22 प्रतिशत नौकरियों में बदलाव देखने को मिलेगा। 17 करोड़ नई नौकरियां पैदा होंगी तो वहीं 9.2 करोड़ मौजूदा भूमिकाएं खत्म भी हो जाएंगी। कुल मिलाकर 7.8 करोड़ नौकरियों में इजाफा होगा।

डिमांड में नए जॉब्स रोल्स- रिपोर्ट में जानकारी दी गई है कि भारतीय कंपनियां AI रोबोटिक्स ऑटोनॉमस सिस्टम व नए जमाने की ऊर्जा तकनीक में आक्रामक तरीके से निवेश कर रही हैं। देश में तेजी से बढ़ते नए तरह के जॉब्स रोल्स संकेत देते हैं कि अब एआई, बिग डेटा स्पेशलिस्ट्स, मशीन लर्निंग स्पेशलिस्ट्स और सिक्योरिटी मैनेजमेंट स्पेशलिस्ट्स की डिमांड लगातार बढ़ रही है।

चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति पर 4 फरवरी को सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति अधिनियम 2023 की वैधानिकता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट चार फरवरी को सुनवाई कर सकता है। बुधवार को याचिकाकर्ता गैर सरकारी संगठन एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफार्म (एडीआर) की ओर से जल्दी सुनवाई का अनुरोध करते हुए कहा गया कि मुख्य चुनाव आयुक्त के सेवानिवृत होने से पहले मामले पर सुनवाई कर ली जाए।

कोर्ट ने अनुरोध स्वीकारते हुए मामले को चार फरवरी को सुनवाई पर लगाने का आदेश दिया। बुधवार को न्यायमूर्ति सूर्यकांत, दिपांकर दत्ता और उज्जवल भुइयां की पीठ के समक्ष वकील प्रशांत भूषण ने जल्दी सुनवाई का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि 18 फरवरी को मुख्य चुनाव आयुक्त सेवानिवृत हो रहे हैं ऐसे में मामले पर उससे पहले सुनवाई की जाए क्योंकि उनके सेवानिवृत होने पर नये मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति होगी जो कि नए कानून के मुताबिक होगी ऐसे में कोर्ट को दखल देना होगा। मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति कानून को चुनौती भूषण ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने दो मार्च 2023 को फैसला दिया था जिसमें मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य आयुक्तों के चयन पैनल में प्रधानमंत्री, नेता विपक्ष और सीजेआई को रखा था।

दवाओं का क्लिनिकल ट्रायल अक्सर गरीब देशों में किया जाता है, सुप्रीम कोर्ट याचिका पर करेगा सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि दवाओं और टीकों का क्लिनिकल ट्रायल अक्सर गरीब देशों में किया जाता है। इस मुद्दे पर केंद्र की ओर से बनाए गए नियमों के खिलाफ अपनी आपत्तियां दर्ज कराने एवं दलीलें पेश करने के लिए बुधवार एक याचिकाकर्ता को अनुमति दे दी।

जस्टिस ऋषिकेश राय और जस्टिस एसवीएन भट्टी की पीठ ने केंद्र की तरफ से पेश अतिरिक्त सालिसिटर जनरल अर्चना पाठक दवे की दलीलों पर विचार किया, जिन्होंने कहा कि नई दवाओं और क्लिनिकल ट्रायल के लिए नियम 2019 में बनाए गए थे।

गरीब नागरिकों को अब भी गिनी पिग के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा- दवे ने कहा कि नियमों का पालन करते हुए भारत में क्लिनिकल ट्रायल और नई दवाओं के लिए अनुमोदन प्रक्रिया को कारगर बनाने के लिए 2024 में नई औषधि और क्लिनिकल ट्रायल (संशोधन) नियम अधिसूचित किए गए थे, जिनका मकसद मरीजों से जुड़े सुरक्षा प्रोटोकॉल में सुधार लाना और वैश्विक मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करना था।

एनजीओ स्वास्थ्य अधिकार मंच की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता संजय पारिख ने कहा कि गरीब नागरिकों को अब भी गिनी पिग के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है और उन्हें पर्याप्त मुआवजा नहीं दिया जा रहा है।

कोई व्यवस्था नहीं, काउंटर खुलते ही लोग दौड़ पड़े, चश्मदीदों ने बताई तिरुपति हादसे की कहानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के तिरुपति में हुई भगदड़ में 6 लोगों की मौत हो गई। घटना के चश्मदीदों ने जो बताया, वह हैरान कर देने वाला है। एक महिला ने कहा कि टिकट लेने के लिए भीड़ काफी ज्यादा इकट्ठी हो गई थी।

उसने कहा कि पहले से टिकट खरीद लेने के लिए कोई व्यवस्था नहीं बनाई गई थी। जैसे ही पुलिसकर्मियों ने टिकट वितरण के लिए दरवाजा खोला, लोगों की भीड़ वहां टूट पड़ी। महिला ने कहा कि उसके परिवार के 20 सदस्य वहां मौजूद थे, जिसमें से 6 घायल हो गए।

महिला ने कहा कि वहां बड़ी संख्या में पुरुष श्रद्धालु भी थे, जो टिकट के लिए दौड़ पड़े थे। इस कारण भी कई महिला श्रद्धालुओं को चोटें आईं, जिनका इलाज किया जा रहा है।

टिकट खरीदते वक्त भगदड़- हादसे में मृतक महिला मल्लिका के पति ने भी घटना का खौफनाक मंजर बयां किया। उसने बताया कि जब उसकी पत्नी और दूसरे लोग वैकुंठ द्वार दर्शन टिकट खरीदने की कोशिश कर रहे थे, तभी भगदड़ मच गई।

उसने कहा, %मेरी पत्नी और अन्य लोग वैकुंठ द्वार दर्शन टिकट खरीद रहे थे। तभी वहां भगदड़ मच गई। इसमें मेरी पत्नी की जान चली गई। मैंने अपने रिश्तेदारों को जानकारी दे दी है। वह यहां पहुंच रहे हैं।

अब तक 6 की मौत- तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम के अधिकारियों के मुताबिक, तिरुपति के विष्णु निवासम के पास भगदड़ मचने से 6 लोगों की मौत हो गई। इसमें कई लोग घायल भी हो गए हैं।

यह हादसा विष्णु निवासम के करीब तिरुमाला श्रीवरी वैकुंठ द्वार टिकट काउंटर के पास हुआ। जब टिकट बांटे जा रहे थे, तभी उन्हें खरीदने के लिए लोग एक-दूसरे से धक्का-मुक्की करने लगे।

मुख्यमंत्री ने जताया दुख- तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम के चेयरमैन कार्यालय द्वारा कहा गया कि मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू हालात पर करीब से नजर बनाए हुए हैं।

महिला के बॉडी स्ट्रक्चर पर कमेंट करना यौन उत्पीड़न के समान', केरल हाईकोर्ट की बड़ी टिप्पणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। किसी भी महिला के बॉडी स्ट्रक्चर पर कमेंट करना यौन टिप्पणी है। ये यौन उत्पीड़न के तहत दंडनीय अपराध की श्रेणी में आएगा। ऐसा कहना है केरल हाईकोर्ट का।

केरल हाईकोर्ट ने कहा, किसी महिला के फिगर (बॉडी स्ट्रक्चर) पर कमेंट करना सेक्शुअल हैरेसमेंट के बराबर है। जस्टिस ए बदरुद्दीन ने केरल राज्य विद्युत बोर्ड (केएसईबी) के एक पूर्व कर्मचारी की याचिका को खारिज करते हुए यह फैसला सुनाया। आरोपी ने ऑफिस में ही काम करने वाली एक महिला कर्मचारी की तरफ से दायर यौन उत्पीड़न के मामले को खारिज करने की मांग की थी।

महिला ने आरोप लगाया था कि आरोपी ने 2013 से उसके खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया और फिर 2016-17 में आपत्तिजनक मैसेज और वॉयस कॉल भेजना शुरू कर दिया।

उसने दावा किया था कि केएसईबी और पुलिस में शिकायत के बावजूद वह उसे आपत्तिजनक संदेश भेजता रहा।

उसकी शिकायतों के बाद, आरोपी पर आईपीसी की धारा 354 ए (यौन उत्पीड़न) और 509 (महिला की शील का अपमान) और केरल पुलिस अधिनियम की धारा 120 (ओ) (अवांछित कॉल, पत्र, लिखित, संदेश द्वारा संचार के किसी भी माध्यम से उपद्रव पैदा करना) के तहत मामला दर्ज किया गया।

मामले को रद्द करने की मांग करते हुए, अभियुक्त ने दावा किया कि किसी व्यक्ति के शरीर की अच्छी संरचना होने का मात्र उल्लेख आईपीसी की धारा 354 ए और 509 तथा केरल पुलिस अधिनियम की धारा 120 (ओ) के दायरे में यौन रंजित टिप्पणी के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता।

दूसरी ओर, अभियोजन पक्ष और महिला ने तर्क दिया कि आरोपी के कॉल और संदेशों में अभद्र टिप्पणियां थीं, जिनका उद्देश्य उसे परेशान करना और उसका शील भंग करना था।

जिंदा इंसान को कागजों पर किया मृत घोषित, खुद को जीवित साबित करने के लिए उठाया ये कदम

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक बेलगावी जिले में एक शख्स को कागजों में मृत घोषित कर दिया जबकि वह जिंदा है और 62 साल का है। उसने कार्यालयों के कई चक्कर लगाए लेकिन सुनवाई नहीं हुई। वहीं, व्यक्ति बेलगावी के डिप्टी कमिश्नर मोहम्मद रोशन के कार्यालय में बिना परमिशन के घुस गया और उनसे अनुरोध किया उसको जीवित साबित करने में मदद करें।

इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के अनुसार, अपने मृत्यु प्रमाण पत्र के साथ गए गणपति काकटकर ने एक डेटा एंट्री ऑपरेटर द्वारा की गई गलती को सुधारने की मांग की थी, जिसने उन्हें मृत घोषित कर दिया था, जिसके कारण उनका आधार कार्ड, बैंक खाते और विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं ले पा रहे हैं।

अपने दादा की जमीन अपने नाम कराने गया तो हो गया खेला- रिपोर्ट में कहा गया है कि यह मुद्दा कई साल पहले शुरू हुआ था जब गणपति और उनके भाइयों ने अपने दादा, जिनकी 1976 में मृत्यु हो गई थी, द्वारा छोड़ी गई जमीन के लिए उत्तराधिकार प्रमाण पत्र के लिए आवेदन किया था। उनकी मृत्यु के बाद भूमि कभी भी हस्तांतरित नहीं की गई।

संपत्ति गणपति सहित उनके आठ पोते-पोतियों के पास थी। जमीन को अपने नाम पर हस्तांतरित करने के प्रयास में, पोते-पोतियों को अपने दादा का मृत्यु प्रमाण पत्र गायब होने के कारण देरी का सामना करना पड़ा। इसके चलते उन्हें अदालत का दरवाजा खटखटाना पड़ा, जिसने अंततः प्रमाण पत्र जारी करने का आदेश दिया।

जब मुसीबत शुरू हुई- हालांकि, समस्या तब शुरू हुई जब हिंडालगा में राजस्व कार्यालय में एक कंप्यूटर ऑपरेटर ने गलती से अपने दिवंगत दादा के बजाय गणपति का आधार नंबर दर्ज कर दिया। परिणामस्वरूप, परिवार के राशन कार्ड से गणपति का नाम हटा दिया गया और उनका आधार लॉक कर दिया गया। समस्या को सुलझाने की कई कोशिशों के बावजूद, जिसमें तहसीलदार के कार्यालय का दौरा किया, कुछ नहीं किया गया।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

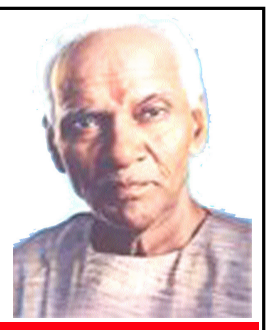

विक्रम संवत 2079 पौष शुक्ल एकादशी

संपादकीय

राष्ट्रीय आय के पहले अग्रिम अनुमान जारी किया गया

चालू वित्त वर्ष (2024-25) में राष्ट्रीय आय के पहले अग्रिम अनुमान राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने जारी कर दिए। इनके मुताबिक देश की अर्थव्यवस्था 2023-24 के 8.2 फीसदी की तुलना में इस वर्ष 6.4 फीसदी की दर से बढ़ेगी। ह्स्ह का अनुमान भारतीय रिजर्व बैंक के 6.6 फीसदी के अनुमान से थोड़ा कम है और यह कोविड के वर्ष यानी 2020-21 के बाद से अब तक का सबसे कमजोर आंकड़ा है।

नॉमिनल वृद्धि दर (मुद्रास्फीति को हटाकर) 9.7 फीसदी रहने की उम्मीद है जबकि गत वित्त वर्ष में वह 9.6 फीसदी थी। पहले अग्रिम अनुमानों की उत्सुकता से प्रतीक्षा थी क्योंकि दूसरी तिमाही में वृद्धि दर 5.4 फीसदी रही थी और इस आंकड़े से अधिकांश विश्लेषकों को झटका लगा था। इसके अलावा इसका इस्तेमाल वित्त मंत्रालय द्वारा बजट निर्माण के लिए भी किया जाएगा।

सरकार पहले अग्रिम अनुमानों से खुश नहीं होगी क्योंकि यह चालू वर्ष के साथ-साथ मध्यम अवधि के लिए भी चुनौतियां बढ़ाने वाले हैं। नॉमिनल स्तर पर अनुमान से कम वृद्धि का अर्थ यह है कि सरकार को व्यय कटौती करनी होगी ताकि राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी के 4.9 फीसदी के स्तर पर रखा जा सके। आम बजट में अनुमान लगाया गया था कि चालू वर्ष में नॉमिनल जीडीपी 10.5 फीसदी की दर से बढ़ेगा। हालांकि वास्तविक जीडीपी में अंतर बहुत अधिक नहीं होगा लेकिन कुछ कवायद की आवश्यकता होगी। अगर राजस्व अनुमानों को भी संशोधित करके कम करना पड़ा तो मुश्किल बढ़ेगी।

उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार अप्रैल-नवंबर की अवधि में कुल राजस्व संग्रह बजट अनुमानों का 59.8 फीसदी था जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 65.3 फीसदी था। हालांकि बजट अनुमान की बात करें तो कुल व्यय भी पिछले साल की तुलना में कम है लेकिन अंतर काफी कम है। संभव है कि सरकार बजट में आवंटित पूंजीगत व्यय को पूरी तरह खर्च नहीं कर पाए। हालांकि इससे उसे राजकोषीय घाटे को थामे रखने में मदद मिलेगी लेकिन यह समग्र वृद्धि पर असर डालेगा। बहरहाल चूंकि वित्त वर्ष में केवल चार महीने बाकी हैं तो सरकार के पास जरूरी बदलाव करने का समय है। यह देखना दिलचस्प होगा कि इस कवायद का संशोधित अनुमान में क्या असर नजर आता है। अगर पहले अग्रिम अनुमान के मुताबिक वर्ष की दूसरी छमाही में भी वृद्धि में सुधार नहीं होता है तो हालात और जटिल हो सकते हैं।अगले साल और मध्यम अवधि के नजरिये से आगामी बजट की चुनौती होगी अर्थव्यवस्था को टिकाऊ उच्च वृद्धि की राह पर ले जाना।कई अर्थशास्त्री कह चुके हैं कि वर्तमान आर्थिक मंदी की अगर पिछले सालों से तुलना की जाए तो यह कोई विसंगति नहीं बल्कि महामारी के बाद की तेज वृद्धि के बाद सामान्य स्थिति में वापसी है। इसके अलावा यह भी याद करना होगा कि वृद्धि का बहुत हद तक समर्थन किया जा रहा है। इसके लिए सरकारी व्यय बढ़ाया जा रहा है जिसके चालू वर्ष में जीडीपी के 3.4 फीसदी रहने का अनुमान है। हालांकि राजकोषीय बंधनों के चलते इसमें इजाफे की भी अपनी सीमा है।ऐसे में उच्च वृद्धि कि लिए जरूरी है कि अर्थव्यवस्था के अन्य कारक प्रभावी हों। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जुलाई 2024 के बजट में कहा था कि सरकार एक आर्थिक नीति ढांचा तैयार करेगी ताकि अगली पीढ़ी के सुधारों की राह आसान हो। सरकार यह काम जितनी जल्दी करे उतना अच्छा होगा। इसे आगामी बजट में पेश किया जाना चाहिए ताकि आर्थिक वृद्धि को गति देने के लिए इसे जल्द से जल्द क्रियान्वित किया जा सके। चूंकि निकट भविष्य में वैश्विक आर्थिक माहौल अनुकूल होता नहीं दिखता इसलिए घरेलू नीतियों की मदद से वृद्धि को गति प्रदान करनी होगी।

विश्व हिन्दी दिवस

विश्व हिन्दी दिवस प्रति वर्ष 10 जनवरी को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य विश्व में हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिये जागरूकता पैदा करना तथा हिन्दी को अन्तरराष्ट्रीय भाषा के रूप में पेश करना है। विदेशों में भारत के दूतावास इस दिन को विशेष रूप से मनाते हैं। सभी सरकारी कार्यालयों में विभिन्न विषयों पर हिन्दी में व्याख्यान आयोजित किये जाते हैं। विश्व में हिन्दी का विकास करने और इसे प्रचारित-प्रसारित करने के उद्देश्य से विश्व हिन्दी सम्मेलनों की शुरुआत की गई और प्रथम विश्व हिन्दी सम्मेलन 10 जनवरी 1974 को नागपुर में आयोजित हुआ तब से ही इस दिन को विश्व हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जाता है। विश्व हिन्दी सचिवालय मॉरिशस में स्थित है।

विश्व हिन्दी दिवस का उद्देश्य

विश्व हिन्दी दिवस का उद्देश्य विश्व में हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिये जागरूकता पैदा करना, करना, हिन्दी के प्रति अनुराग पैदा करना, हिन्दी की दशा के लिए जागरूकता पैदा करना तथा हिन्दी को विश्व भाषा के रूप में प्रस्तुत करना है।

इतिहास

विश्व में हिन्दी का विकास करने और इसे प्रचारित-प्रसारित करने के उद्देश्य से विश्व हिन्दी सम्मेलनों की शुरुआत की गई और प्रथम विश्व हिन्दी सम्मेलन 10 जनवरी, 1975 को नागपुर में आयोजित हुआ था। इसीलिए इस दिन को विश्व हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जाता है। भारत के पूर्व प्रधानमन्त्री डॉ. मनमोहन सिंह ने 10 जनवरी, 2006 को प्रति वर्ष विश्व हिन्दी दिवस के रूप मनाये जाने की घोषणा की थी। उसके बाद से भारतीय विदेश मंत्रालय ने विदेश में 10 जनवरी 2006 को पहली बार विश्व हिन्दी दिवस मनाया था। इसका उद्देश्य विश्व में हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिये जागरूकता पैदा करना तथा हिन्दी को अन्तराष्ट्रीय भाषा के रूप में पेश करना है। विदेशों में भारत के दूतावास इस दिन को विशेष रूप से मनाते हैं। सभी सरकारी कार्यालयों में विभिन्न विषयों पर हिन्दी में व्याख्यान आयोजित किये जाते हैं।

पहला विश्व हिन्दी दिवस

नार्वे में पहला विश्व हिन्दी दिवस भारतीय दूतावास ने तथा दूसरा और तीसरा विश्व हिन्दी दिवस भारतीय नार्वेजीय सूचना एवं सांस्कृतिक फोरम के तत्वाधान में लेखक सुरेशचन्द्र शुक्ल की अध्यक्षता में बहुत धूमधाम से मनाया गया था। इन्दिरा गाँधी भारतीय सांस्कृतिक केन्द्र के सभागार में, रविवार 10 जनवरी 2010 को, विश्व हिन्दी सचिवालय, शिक्षा, संस्कृति एवं मानव संसाधन मन्त्रालय, भारतीय उच्चायोग, इन्दिरा गाँधी भारतीय सांस्कृतिक केन्द्र तथा हिन्दी संगठन के मिले-जुले सहयोग से विश्व हिन्दी दिवस 2010 मनाया गया, जिसमें मुख्य अतिथि हंगरी के भारोपीय शिक्षा विभाग से आई हुई डॉ. मारिया नेज्यैशी थी, इस उपलक्ष्य पर विश्व हिन्दी सचिवालय की एक रचना (एक विश्व हिन्दी पत्रिका) का भी लोकार्पण गणराज्य के राष्ट्रपति माननीय सर अनिरुद्ध जगन्नाथ जी के कर-कमलों द्वारा हुआ। इस अवसर पर भारतीय उच्चायोग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर पर कविता-प्रतियोगिता के विजेताओं को भी सम्मानित किया गया, सम्मान उन सभी नवोदित कवियों का वास्तव में रहा जिनको अपनी कलात्मकता प्रेषित करने का एक मंच प्राप्त हुआ।

हिन्दी दिवस

विश्व हिन्दी दिवस के अतिरिक्त 14 सितंबर को %हिन्दी दिवस% के रूप में मनाया जाता है। 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने हिंदी को राजभाषा का दर्जा दिया था तभी से 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है।हिन्दी के प्रचार-प्रसार में संलग्न प्रमुख संस्थाएँ

1. अक्षरम
2. अखिल भारतीय अनुवाद परिषद, अहमदाबाद
3. अखिल भारतीय भाषा साहित्य सम्मेलन, भोपाल
4. अखिल भारतीय भाषा साहित्य सम्मेलन, पटना
5. अखिल भारतीय साहित्य कला मंच, मुरादाबाद
6. अखिल भारतीय साहित्य परिषद
7. अखिल भारतीय हिंदी संस्था संघ, दिल्ली
8. अखिल भारतीय हिंदी साहित्य सम्मेलन
9. अखिल भारतीय हिन्दी संस्था संघ, नई दिल्ली
10. अखिल विश्व हिन्दी समिति
11. अंग्रेजी अनिवार्यता विरोधी समिति
12. अंतर्राष्ट्रीय हिंदी समिति, सेलम, एनएच, (अमेरिका)
13. अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी समिति, वर्जिनिया (सं?रा?अ?)
14. अपनी भाषा, कोलकाता
15. अरुणाचल नागरी संस्थान, ईटानगर
16. अलबर्टा हिंदी परिषद
17. असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, गुवाहाटी
18. आन्ध्र प्रदेश हिन्दी प्रचार, हैदराबाद
19. आरा नागरी प्रचारिणी सभा, आरा (बिहार)
20. उत्तर प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, लखनऊ
21. उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ
22. उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ
23. ओड़िशा राष्ट्रभाषा परिषद, पुरी
24. कथा यू.के.
25. कर्नाटक महिला हिन्दी सेवा समिति, बंगलुरू
26. कर्नाटक हिन्दी प्रचार समिति, बंगलुरू
27. कहानी लेखन महाविद्यालय, अंबाला
28. कादंबरी, जबलपुर
29. काशी नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
30. केंद्रीय सचिवालय, हिंदी परिषद, नई दिल्ली
31. केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो, नई दिल्ली
32. केन्द्रीय सचिवालय हिन्दी परिषद, नई दिल्ली
33. केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय, नई दिल्ली
34. केन्द्रीय हिन्दी प्रशिक्षण संस्थान, नई दिल्ली
35. केन्द्रीय हिन्दी समिति
36. केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा
37. केरल हिन्दी प्रचार सभा, तिरूवनंतपुरम
38. केरल हिन्दी साहित्य अकादमी, तिरूवनंतपुरम
39. क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, राजभाषा विभाग
40. गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद
41. घनश्यामदास सराफ ट्रस्ट, मुंबई
42. छत्तीसगढ़ प्रदेश हिन्दी साहित्य सम्मेलन, रायपुर
43. जैमिनी अकादमी, पानीपत
44. तमिलनाड़ हिदी अकादमी, चेन्नई
45. दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा
46. दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, चेन्नई
47. दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, धाड़वाड़
48. नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, राजभाषा विभाग
49. नव उन्नयन, नई दिल्ली
50. नागरी प्रचारिणी सभा
51. नागरी लिपि परिषद्
52. नागरी लिपि परिषद्, नई दिल्ली
53. नेपाल हिन्दी साहित्य परिषद
54. पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी सृजनपीठ, बिलासपुर
55. परिकल्पना सम्मान
56. परिमल, इलाहाबाद
57. पुरुषोत्तमपुर हिन्दी प्रचार सभा, गंजाम, उड़ीसा
58. पूर्वोत्तर हिन्दी अकादमी, शिलांग
59. बंगीय हिन्दी परिषद, कोलकाता
60. बम्बई हिंदी विद्यापीठ, मुंबई
61. बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
62. बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन, पटना
63. भारतीय अनुवाद परिषद्, नई दिल्ली
64. भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली

बजट के बाद फिर सस्ता होगा सोना? ज्वेलरी इंडस्ट्री कर रही ये खास डिमांड

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी को वित्त वर्ष 2025-26 के लिए केंद्रीय बजट पेश करेंगी। पिछले बजट के बाद सोना और चांदी काफी ज्यादा सस्ता हो गया था, क्योंकि वित्त मंत्री ने कस्टम ड्यूटी घटा दी थी। इस बार भी ज्वेलरी इंडस्ट्री वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से गोल्ड पर जीएसटी घटाने की गुहार लगा रही है। अगर सरकार उनके सुझाव को मानती है, तो इस बार भी बजट के बाद गोल्ड सस्ता हो सकता है।

गोल्ड पर कितना जीएसटी लगता है- सोने पर जीएसटी की मौजूदा दर 3 फीसदी है। इसका मतलब है कि अगर आप 10,000 रुपये का सोना खरीद रहे हैं, तो उस पर 300 रुपये जीएसटी देनी होगी। जेम्स और ज्वेलरी इंडस्ट्री बजट 2025 में सोने पर गुड्स और सर्विसेज टैक्स की दर घटाने की मांग कर रही है। इंडस्ट्री का कहना है कि मौजूदा 3 फीसदी तस्ञ्ञ काफी बड़ा बोझ है, जिसका प्रतिस्पर्धा पर बुरा असर पड़ता है। इससे रोजगार का अवसर भी कम होता है।

ज्वेलरी इंडस्ट्री आगामी बजट में गोल्ड पर जीएसटी रेट को 3 फीसदी से घटाकर 1 फीसदी करने की डिमांड कर रही है। उसका कहना है कि इससे इंडस्ट्री और ग्राहकों को काफी राहत मिलेगी। इंडस्ट्री की दलील है कि सोने का भाव लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में उस अधिक जीएसटी होना इंडस्ट्री के साथ ग्राहकों पर भी बड़ा बोझ है। इससे गोल्ड की खरीद और बिक्री भी प्रभावित हो रही है।

अगर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बजट 2025-26 में गोल्ड पर जीएसटी घटाती हैं, तो इससे जेवरात के दाम में कमी आएगी। इंडस्ट्री को उम्मीद है कि इस खासकर ग्रामीण इलाकों में सोने की बिक्री को बढ़ावा मिलेगा। इंडस्ट्री लैब-ग्रोन डायमंड्स के लिए रियायती GST दर लागू करने की गुहार लगा रही है। अभी कुदरती और लैब-ग्रोन डायमंड्स दोनों पर समान तस्ञ्ञ दर लागू है।

क्या फिर से कस्टम ड्यूटी घटाएगी सरकार- एक्सपर्ट का मानना है कि इस बार बजट में कस्टम ड्यूटी घटाने की गुंजाइश न के बराबर है। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज में कमोडिटीज के हेड हरीश वी का कहना है, सरकार पिछले बजट में इंपोर्ट ड्यूटी को 15 से घटाकर 6 कर चुकी है।

1 साल से रेंग रहा यह शेयर, लगातार करा रहा था नुकसान, अब दिग्गज निवेशक ने बेच दी पूरी हिस्सेदारी!

नई दिल्ली (एजेंसी)। रेप्को होम फाइनेंस के शेयर गुरुवार को कारोबार के दौरान फोकस में हैं। कंपनी के शेयर में मामूली गिरावट है और यह 409 रुपये पर पहुंच गया। शेयर बाजार के दिग्गज निवेशक डॉली खन्ना ने इस शेयर में से हिस्सेदारी बेचने की खबर है। वित्तीय वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही के दौरान रेप्को होम फाइनेंस में प्रमुख निवेशक डॉली खन्ना की हिस्सेदारी 1 प्रतिशत से नीचे गिर गई, जो संभवतः कंपनी से उनके बाहर निकलने का संकेत है।

क्या है डिटेल- रेप्को होम फाइनेंस Q2 FY25 में डॉली खन्ना के पोर्टफोलियो शेयरों का हिस्सा था। इसमें निवेशक के पास 1.13 प्रतिशत हिस्सेदारी या 7,08,786 शेयर थे। हालांकि, दिसंबर तिमाही के शेयरहोल्डिंग पैटर्न से पता चलता है कि पिछले कुछ महीनों और साल में स्टॉक के कमजोर प्रदर्शन के बीच, डॉली खन्ना ने कंपनी छोड़ दी क्योंकि उनका नाम प्रमुख निवेशकों में नहीं था। बता दें कि कंपनियां को केवल उन्हीं शेयरधारकों के नाम जारी करने होते हैं जिनकी कंपनी में 1 प्रतिशत या अधिक हिस्सेदारी है।

शेयरों के हाल- रेप्को होम फाइनेंस के शेयर की कीमत में हाल ही में कमजोर प्रदर्शन देखा गया है, पिछले एक महीने में स्टॉक में 13 प्रतिशत, तीन महीने में 18 प्रतिशत और छह महीने में 27 प्रतिशत की गिरावट आई है। रेप्को होम फाइनेंस के शेयर पिछले एक साल में सपाट हैं।

दो साल में 480% उछल गया इस शेयर का दाम, दिग्गज इनवेस्टर के पास 250000 शेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। मल्टीबैगर स्टॉक हिंद रेक्टिफायर्स गुरुवार को क्ष्स्थ में 1305.90 रुपये पर बंद हुआ है। कंपनी के शेयरों में 6 महीने में 77 पर्सेंट की तेजी आई है। वहीं, एक साल में हिंद रेक्टिफायर्स के शेयर 130 पर्सेंट से अधिक उछल गए हैं। दो साल में हिंद रेक्टिफायर्स के शेयरों में 480 पर्सेंट का उछाल आया है। दिग्गज निवेशक मुकुल अग्रवाल ने चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में हिंद रेक्टिफायर्स पर अपना दांव बढ़ाया है, उन्होंने मल्टीबैगर कंपनी के और शेयर खरीदे हैं। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 1591 रुपये है।

मुकुल अग्रवाल के पास अब कंपनी के 250000 शेयर- दिग्गज इनवेस्टर मुकुल अग्रवाल के पास हिंद रेक्टिफायर्स के 250000 शेयर हो गए हैं। कंपनी में उनकी हिस्सेदारी बढ़कर 1.46 पर्सेंट पहुंच गई है। शेयरहोल्डिंग का यह डेटा दिसंबर 2024 तक का है। मार्च 2024 में मुकुल अग्रवाल ने हिंद रेक्टिफायर्स के 213,026 शेयर खरीदे थे। मुकुल अग्रवाल ने चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में कंपनी में अपनी हिस्सेदारी 0.1 पर्सेंट बढ़ाई है। हिंद रेक्टिफायर्स लिमिटेड का मार्केट कैप 2240 करोड़ रुपये के पार जा पहुंचा है।

हिंद रेक्टिफायर्स लिमिटेड के शेयर पिछले दो साल में 480 पर्सेंट चढ़ गए हैं। मल्टीबैगर कंपनी के शेयर 6 जनवरी 2023 को 225 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 9 जनवरी 2025 को 1305.90 रुपये पर बंद हुए हैं। पिछले 4 साल में हिंद रेक्टिफायर्स के शेयरों में करीब 682 पर्सेंट की तेजी देखने को मिली है। पिछले 10 साल में कंपनी के शेयर 1400 पर्सेंट से अधिक उछल गए हैं। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 1591 रुपये है। वहीं, हिंद रेक्टिफायर्स के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 531.80 रुपये है। कंपनी अपने शेयरहोल्डर्स को बोनस शेयर का तोहफा भी दे चुकी है। कंपनी ने अक्टूबर 2008 में 1ः1 के रेशियो में बोनस शेयर दिए थे। यानी, कंपनी ने हर 1 शेयर पर 1 बोनस शेयर दिया था।

टाटा की इस कंपनी को हुआ 12380 करोड़ का मुनाफा, अब 76 डिविडेंड का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की सबसे बड़ी इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (आईटी) सर्विस कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने चालू वित्त वर्ष के दिसंबर तिमाही के नतीजे आज गुरुवार को जारी कर दिए हैं। टाटा समूह की इस कंपनी का नेट प्रॉफिट अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में सालाना आधार पर 11.95 प्रतिशत बढ़ गया और यह 12,380 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी ने 11,058 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट कमाया था। बता दें कि कंपनी ने तिमाही नतीजों के साथ ही 76 रुपये का डिविडेंड देने का भी ऐलान किया है।

टीसीएस ने गुरुवार को बयान में कहा, समीक्षाधीन तिमाही में उसकी कुल आय 6.13 प्रतिशत बढ़कर 65,216 करोड़ रुपये हो गई, जो अक्टूबर-दिसंबर, 2023 में 61,445 करोड़ रुपये थी। कुल व्यय सालाना आधार पर 45,658 करोड़ रुपये से 6.33 प्रतिशत बढ़कर 48,550 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने साथ ही बताया, दिसंबर तिमाही के अंत में उसके कर्मचारियों की संख्या 5,000 से अधिक घटकर 6,07,354 रह गई।

कंपनी ने डिविडेंड का भी ऐलान किया है। कंपनी ने अंतरिम डिविडेंड के रूप में 10 रुपये प्रति शेयर और स्पेशल डिविडेंड के रूप में 66 रुपये प्रति शेयर भुगतान करने का ऐलान भी किया है। कंपनी के शेयर आज गुरुवार को 1% तक गिरकर 4,044 रुपये पर बंद हुए हैं।

बदहाल हैं छोटे कर्ज देने वाली माइक्रो फाइनेंस कंपनियां, क्या बजट में मिलेगी राहत?

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस बात की पूरी उम्मीद है कि आगामी बजट में माइक्रो फाइनेंस इंस्टीट्यूशंस की सुनी जाएगी। ऐसा नहीं होता तो जब बजट को लेकर विभिन्न उद्योग वर्गों से विमर्श खत्म हो चुका है तब वित्त मंत्रालय ने MFI को अलग से बैठक के लिए बुलाया गया है। इस बात के संकेत है कि एमएफआई के प्रसार को और मजबूत बनाने के लिए केंद्र सरकार की तरफ से एक विशेष फंड बनाने की घोषणा की जा सकती है। खास तौर पर छोटे व मझोले MFI को इस विशेष फंड से फायदा पहुंचाने की कोशिश होगी।

सरकार यह मानती है कि समाज के सबसे कमजोर वर्ग को वित्तीय राहत पहुंचाने के लिए MFI का होना जरूरी है। हाल ही में आरबीआई की एक रिपोर्ट में यह बताया गया है कि MFI की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। अप्रैल, 2024 के मुकाबले सितंबर, 2024 में MFI से कर्ज वूसली में होने वाली दिक्कतें दोगुनी बढ़ गई हैं जो बता रहा है कि MFI से जो लोग कर्ज लेते हैं उनकी वित्तीय स्थिति तनावपूर्ण है।

किन लोगों को कर्ज देते हैं MFI- MFI उन लोगों को बैंकिंग सेवा देते हैं जिनको आसानी से बैंकों व एनबीएफसी से कर्ज नहीं मिल पाता। यह कर्ज की राशि कम होती है लेकिन ब्याज की दर 22-30 फीसद के बीच होती है। वर्ष 2023-24 में इनकी तरफ से वितरित कर्ज में 24.5 फीसद की वृद्धि हो कर 4.3 लाख करोड़ रुपये हो गई। लेकिन चालू वित्त वर्ष में इनकी तरफ से वितरित कर्ज की राशि में सिर्फ चार फीसद की वृद्धि होने की बात कही जा रही है।

कर्ज की रफ्तार कम होने से इस सेक्टर पर काफी दबाव है। इसके पीछे कई वजहें हैं। एक वजह तो आरबीआई के नये नियम हैं जिसमें एक व्यक्ति कितने MFI से कर्ज ले सकता है। आरबीआई ने स्वयं अपनी रिपोर्ट में यह बात कही है कि MFI के तहत जो खाते चलाते जा रहे हैं उनमें कर्ज का बोझ बढ़ता जा रहा है। पिछले चार वर्षों में चार या इससे ज्यादा MFI से कर्ज वालों का हिस्सा कुल MFI खाते में 3.6 फीसद से बढ़ कर 5.8 फीसद हो गया है।

वैसे कई मुद्दे हैं जिस पर MFI को उम्मीद है कि वित्त मंत्री आगामी बजट में दो टूक फैसला करेंगी। इसमें एक मुद्दा है MFI के तहत कर्ज लेने के लिए अधिकतम वार्षिक आय की सीमा को बढ़ाना।

68 रुपये के शेयर में लगा 20% का अपर सर्किट, इस साल लगातार चढ़ रहा भाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। सप्ताह के चौथे कारोबारी दिन यानी गुरुवार को नॉन बैंकिंग फाइनेंस कंपनी- योगी लिमिटेड के शेयर पर निवेशक टूट पड़े। ट्रेडिंग के दौरान शेयर में 20 फीसदी का अपर सर्किट लगा और भाव एक दिन पहले के 68.43 रुपये के मुकाबले 82.11 रुपये तक पहुंच गया। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई है। फरवरी 2024 में योगी लिमिटेड के शेयर 34.39 रुपये के निचले स्तर पर आ गए थे। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो है। इस लिहाज से योगी लिमिटेड के शेयर रिकवरी मोड में है।

शेयर में यह तेजी ऐसे समय में आई जब गुरुवार को बाजार बिकवाली मोड में था। सप्ताह के चौथे कारोबारी दिन यानी गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार में सुस्ती का माहौल था। इस दौरान सेंसेक्स 530 अंक टूटकर 77700 अंक के नीचे बंद हुआ।

योगी लिमिटेड के शेयरहोल्डिंग पैटर्न की बात करें तो प्रमोटर्स के पास 59.02 फीसदी की हिस्सेदारी है। वहीं, पब्लिक शेयरहोल्डर्स के पास 40.98 फीसदी हिस्सेदारी है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

QR Code स्कैन करो और घर बुलाओ सफाई कर्मी, स्वच्छता साथी 'Wash On Wheels' को केंद्र सरकार ने सराहा

छिंदवाड़ा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर देशभर में चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान में छिंदवाड़ा ने अलग पहचान बनाई है। यही कारण है कि जिले के नवाचार को केंद्र सरकार के जल शक्ति मंत्रालय ने न केवल सराहा, अपितु उसकी जानकारी भी मंगवाई है।

दरअसल, कलेक्टर शीलेंद्र सिंह ने स्वच्छता साथी वाश ऑन व्हील्स नामक नवाचार किया है। इसके तहत शहरों के साथ ही गांवों में भी स्वच्छता बरकरार रखने के लिए तैयार वाहन को बुलाने के लिए उपभोक्ताओं को क्यूआर कोड स्कैन करना होगा। पांच किलोमीटर तक 200 रुपये चार्ज नवाचार के तहत जिला मुख्यालय से पांच किलोमीटर तक शौचालय की सफाई के लिए 200 रुपये प्रति यूनिट और पांच किलोमीटर से अधिक की दूरी पर 250 रुपये प्रति यूनिट का शुल्क निर्धारित किया गया है। इस टीम को कोई भी बुला सकता है।

इसका परिणाम यह है कि आउटसोर्स से जुटाए गए कर्मियों को कार्य में खासी

सफलता मिल रही है। रोजगार के साथ ही आत्मनिर्भरता भी मिली है। अब जल शक्ति मंत्रालय ने छिंदवाड़ा जिला प्रशासन से प्रस्ताव मंगाया है। अगर सब कुछ सही रहा तो यह नवाचार देशभर में लागू हो सकता है।

कलेक्टर ने बताया कि इस अभियान से स्वच्छता अभियान को बढ़ावा मिल रहा है, अपितु स्वच्छता मित्रों के रूप में लोगों को रोजगार भी मिल रहा है।जिले के प्रभारी मंत्री ने भी सराहा बता दें, बीते दिनों जिले के प्रभारी मंत्री राकेश सिंह ने भी इस पहल की सराहना की थी। यह योजना शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में संस्थागत शौचालयों की नियमित सफाई नहीं होने की समस्या के समाधान के लिए शुरू की गई थी। इसके तहत स्कूलों, आंगनबाड़ियों, पंचायत भवनों, स्वास्थ्य केंद्रों और छात्रावासों जैसे संस्थानों के शौचालयों की सफाई को सुनिश्चित करने और उनके उपयोग को बढ़ावा देने पर ध्यान दिया गया। चार महीने पहले शुरू हुआ था नवाचार करीब चार महीने पहले ये नवाचार कलेक्टर शीलेंद्र सिंह की पहल पर किया गया था।

क्लस्टर का किया गया गठन

विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्र में स्कूल और शासकीय कार्यालय में सफाई को लेकर व्यवस्था नहीं होती थी, जिसके बाद जिले की 13 जनपदों में से प्रत्येक तीन ग्राम पंचायतों को मिलाकर एक-एक क्लस्टर का गठन किया गया। प्रत्येक क्लस्टर में प्रशिक्षित स्वच्छता साथियों का चयन किया गया है।

आधुनिक उपकरण उपलब्ध कराए

इन्हें बैटरी आपरेटेड वाशर मशीन, हेलमेट, मास्क, पीपीई किट और स्वच्छता किट जैसे आधुनिक उपकरण उपलब्ध कराए गए। इन उपकरणों की मदद से संस्थागत शौचालयों की सफाई नियमित रूप से की जा रही है। वर्तमान में करीब 50 स्वच्छता साथी इस प्रोजेक्ट में जुड़े हैं, जो आउटसोर्स पर काम करते हैं।

आठ लाख रुपये कमाए

'वाश आन व्हील्स' के रूप में किए गए नवाचार के बाद छह हजार से अधिक आर्डर प्राप्त हुए। ये आर्डर न केवल क्यूआर कोड अपितु दूरभाष पर भी आए। इसके बदले संबंधित संस्थानों एवं उपक्रमों से आठ लाख रुपये की आय अर्जित की गई।

कलेक्टर ने दिया था ऑनलाइन प्रजेंटेशन

गत एक जनवरी को जल शक्ति मंत्रालय और पेयजल एवं स्वच्छता विभाग द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित संवाद कार्यक्रम में कलेक्टर शीलेंद्र सिंह ने इस प्रोजेक्ट का आनलाइन प्रेजेंटेशन दिया था। इस अभियान से जुड़े कर्मचारी शैलेंद्र ने बताया कि एक दिन में एक से डेढ़ हजार रुपये तक की कमाई हो जाती है।

बाजार में बिक रही 15 से अधिक प्रकार की गजक भाव 300 से 550 रुपए किलो तक

जबलपुर। शीतकाल में मकर संक्रांति पर्व से पहले तिल की गजक व लड्डू से बाजार महकने लगे हैं। गजक, लड्डू, काजू पट्टी, काजू रोल, तिल की वर्फी के साथ विभिन्न प्रकार की गजक रोजाना तैयार की जा रही है। एक दुकान पर पचास से साठ किलो माल रोज तैयार हो रहा है। सर्दी के चलते बाजारों में गजक व तिल के मिष्ठानों की दुकानें सज चुकी हैं, जिनसे लोग जमकर खरीद कर रहे हैं। हालांकि बीते कुछ वर्षों के दौरान तिल, गुड़ की मिठाईयां, गजक महंगी हुई है। इसके बावजूद गजक और तिल-गुड़ के लड्डुओं की महक लोगों को पूर्ववत दुकानों की ओर आकर्षित कर रही है।

इस मकर संक्रांति पर बाजार में 15 से अधिक तरह की गजक लोगों के लिए उपलब्ध हैं। सादा गजक, तिल के लड्डू की डिमांड-मकर संक्रांति पर तिल और गुड़ से बनी मिठाई का विशेष महत्व होता है।सादा गजक और तिल के लड्डू की डिमांड सबसे ज्यादा यही वजह है कि बाजारों में बड़ी तादाद में गुड़ और तिल से बनी मिठाई लोगों के लिए उपलब्ध है। मकर संक्रांति पर पूजा में इस्तेमाल के अलावा लोग इसका उपयोग दान-पुण्य में भी करते हैं। इस बार सबसे ज्यादा सादा गजक और तिल के लड्डू की डिमांड है।

एमपी के पुलिस थानों में बन सकेंगे हनुमान मंदिर, हाईकोर्ट ने खारिज की चुनौती देने वाली याचिका

जबलपुर। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने जबलपुर सहित प्रदेश के पुलिस थाना परिसरों में हनुमान मंदिर निर्माण को चुनौती देने वाली जनहित याचिका निरस्त कर दी। इसके साथ ही प्रदेश के थाना परिसरों में मंदिर निर्माण का रास्ता साफ हो गया है।

मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली युगलपीठ ने साफ किया कि पूर्व की एक जनहित याचिका के आदेश का पालन न होने के विरुद्ध विचाराधीन अवमानना याचिका के साथ इस बिंदु को सम्मिलित कर विरोध किया जा सकता है।एसएएफ डीजीपी व एडीजीपी आदेश का पालन कर दें रिपोर्ट

हाई कोर्ट ने अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए विशेष सशस्त्र बल (एसएएफ) के डीजीपी कैलाश मकवाना व एडीजीपी इरशाद वली को निर्देश दिए हैं कि पूर्व आदेश का पालन कर उसकी रिपोर्ट पेश करें। न्यायमूर्ति अचल कुमार पालीवाल की एकलपीठ ने डीजीपी को निर्देश दिए हैं कि विभिन्न संवर्गों के स्थानांतरण के संबंध में सक्षम अधिकारी को उचित दिशा निर्देश दें। कोर्ट ने 30 दिन के भीतर कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

कोर्ट ने शासकीय अधिवक्ता को इस आदेश की प्रति डीजीपी को प्रेषित करने कहा ताकि इसका पालन सुनिश्चित किया जा सके। याचिकाकर्ता छठवीं वाहिनी में पदस्थ आरक्षक कृष्ण कुमार शर्मा की ओर से अधिवक्ता असीम त्रिवेदी, संजय कुमार शर्मा, रोहिणी शर्मा व विनीत टेहेनगुरिया ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि याचिकाकर्ता का विगत वर्ष दसवीं वाहिनी, विसबल सागर से छठवीं वाहिनी जबलपुर स्थानांतरण हुआ था। जिसके विरुद्ध याचिका दायर की गई थी।पूर्व सांसद कंकर मुंजारे को मिली जमानत विशेष न्यायाधीश एमपी-एमएलए कोर्ट विश्वेश्वरी मिश्रा ने बालाघाट के पूर्व सांसद कंकर मुंजारे का जमानत आवेदन स्वीकार कर लिया है। मामला धान खरीदी केंद्र के प्रभारी से मारपीट के आरोप से संबंधित है। अभियोजन के अनुसार 27 दिसंबर को लालबर्रा तहसील के धान खरीदी केंद्र धपेरा मोहगांव में धान खरीदी केंद्र प्रभारी और कंप्यूटर आपरेटर से मारपीट करते हुए खरीदी कार्य में व्यवधान डाला गया था।

घटना के संबंध में लालबर्रा थाने में शिकायत दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने पूर्व सांसद मुंजारे सहित चार अन्य के विरुद्ध विभिन्न धाराओं के अंतर्गत प्राथमिकी पंजीबद्ध की थी। मारपीट पूरा घटनाक्रम सीसीटीवी कैमरे में रिकार्ड हुआ था।

बालाघाट पुलिस ने पूर्व सांसद मुंजारे को गिरफ्तार करने के बाद 30 दिसंबर को जबलपुर स्थित एमपी-एमएलए विशेष कोर्ट के समक्ष पेश किया था। विशेष कोर्ट ने उनके जमानत आवेदन को निरस्त करते हुए न्यायिक अभिरक्षा में भेजने का आदेश सुना दिया था।

कमरे में कोयले की सिगड़ी जलाकर सोए दो किशोरों की दम घुटने से मौत

सिंगरौली। सिंगरौली जिले के बरगवां थाना क्षेत्र के गोदवाली स्थित केजीएफ ढाबे के ऊपर बने कमरे में गुरुवार सुबह दो किशोरों के शव मिलने से सनसनी फैल गई। पोस्टमार्टम कराया तो पता चला कि दोनों बुधवार रात में ढाबे का काम पूरा करने के बाद कमरे में कोयले की सिगड़ी जलाकर सोए थे।

कमरे में खिड़की अथवा हवा निकलने की जगह नहीं होने से दोनों की दम घुटने से मौत हो गई। दोनों किशोर मिथुन और बबुंदर बैगा लालमाटी गांव के रहने वाले थे। ढाबे में काम करने के साथ ही ऊपर बने कमरे में रहते थे। गुरुवार की सुबह इन दोनों के शव कमरे से बरामद हुए। चोट के नहीं थे निशानमृतकों के शरीर पर किसी प्रकार की चोट के निशान नहीं थे। इससे कई प्रकार की आशंका हुई। जांच में मामला स्पष्ट हो गया है। बरगवां के एसडीओपी केके पांडे ने बताया कि ढाबे में कार्यरत दोनों युवाओं की मौत कार्बनमोनोआक्साइड की पाइजनिंग से होने की पुष्टि शार्ट पीएम रिपोर्ट में हुई है।

सिगड़ी में कोयला जला आग ताप रहे थे जांच में सामने आया है कि काम से निवृत्त होने के बाद सिगड़ी में कोयला ताप रहे थे इसी दौरान दोनों की नींद लग गई। कमरे में खिड़की या हवा निकलने की जगह नहीं होने से घुटन के कारण युवाओं की मौत होना मानी जा रही है।सेप्टिक टैंक में मिला था शव बता दें कि सिंगरौली जिले के बरगवां थाने के ग्राम बड़ोखर में पांच जनवरी को एक घर के पीछे बने सेप्टिक टैंक में चार युवकों के शव मिले थे। तीन दिन बाद पुलिस ने राजफाश किया था कि रंजिश के चलते हत्याकांड को अंजाम दिया गया था। सिंगरौली पारिवारिक जमीनी विवाद में 24 वर्षीय आलोक शर्मा उर्फ सोनू के बड़े पिता ने लाठी डंडों से पीट पीटकर कर दी हत्या कर दी। युवक के सिर पर चोट के काफी निशान हैं। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र के खुटार चौकी बुंदेला गांव का है बताया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। मां ने युवक के बड़े पापा बसंत शर्मा पर हत्या करने का आरोप लगाया है।

इंदौर शहर में जगह-जगह चली यातायात सुधार की मुहिम

यातायात में बाधक दुकानों के शेड, अतिक्रमण, ओटले और अन्य बाधाएं हटाई गई- फुटपाथ पर रखे सामान भी किए गए जप्त

इंदौर। कलेक्टर श्री आशीष सिंह एवं नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा के निर्देश पर आज इंदौर शहर में यातायात को सुगम बनाने जगह-जगह मुहिम चलाकर कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई जिला प्रशासन के अधिकारियों द्वारा पुलिस, नगर निगम, यातायात पुलिस आदि के सहयोग से की गई। इस दौरान बड़ी संख्या में यातायात में बाधक दुकानों के शेड, अतिक्रमण, ओटले और अन्य बाधाएं हटाई गई। फुटपाथ पर रखे सामान भी जप्त किए गए।

बताया गया कि आज झोन 15 में रंजीत हनुमान मंदिर से स्कीम नम्बर 71 सेक्टर क्र मेन रोड़ तथा रंजीत हनुमान मंदिर से आदित्य हॉस्पिटल तक मेन रोड पर ट्रैफिक के सुगम आवागमन हेतु संयुक्त कार्यवाही की गई। जिसमें संयुक्त दल द्वारा दुकानों , मकानों, सड़क पर अव्यवस्थित रूप से खड़े वाहनों पर चालानी कार्रवाई की गई। दल द्वारा फुटपाथ पर रखे एक ट्रक सामान को जप्त किया गया। साथ ही 15 दुकानों के शेड के अतिक्रमण हटाये गए। ट्रैफिक विभाग द्वारा लगभग 50 वाहनों को चेतावनी दी गई। संयुक्त कार्यवाही में एसडीएम श्रीमती सीमा मौर्य, निगम से झोनल अधिकारी श्री सुनील सिंह जादौन , एआरओ श्री सुरेंद्र खरे, सहायक श्री सर्वेश तिवारी, अतिक्रमण रिमूवल दस्ते से श्रीराजेंद्र यादव उपस्थित थे।

इसी तरह यातायात सुधार एवं यातायात को सुगम बनाने की दृष्टि से झोन क्रमांक 02 में राजमोहल्ला झोन के अन्तर्गत मच्छी बाज़ार से दरगाह चौराहा तक ओटले और फुटपाथ से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई। इस कार्रवाई में दुकानों के बाहर फुटपाथ से अस्थायी निर्माण हटाये गए एवं सड़क से लगभग 02 ट्राले सामान ज़ब्त किये गए। दुकानों के बाहर सामान रखने पर कुल 17 हजार 500 रुपये की चालानी कार्यवाही भी की गई। संयुक्त कार्यवाही में एसडीएम श्री राकेश परमार, यातायात थाना प्रभारी सीमा भंडारी, नगर निगम जोनल अधिकारी श्री विनोद अग्रवाल, सहायक श्री मयंक बेतव एवं रिमूवल प्रभारी श्री विनीत तिवारी सहित निगम की टीम एवं यातायात की टीम उपस्थित रही।

शीत लहर के प्रभाव से बचने के लिए बरते सावधानी

इंदौर। शीत लहर से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा एडवाइजरी जारी की गई है। जारी एडवाइजरी में नागरिको से आग्रह किया गया है कि वे सर्दी को देखते हुए विशेष सावधानी बरते। गर्म कपड़े पहने, जैसे फ्लू, सर्दी, खांसी एवं जुकाम आदि के लक्षण हो जाने पर चिकित्सक से संपर्क करें।

प्रभारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जी.एल. सोढ़ी ने बताया कि सर्दी के मौसम में जब ठंडी हवाएं तेजी से चलने लगती है, तापमान में तेजी से गिरावट होने लगती है, तब इस स्थिति को शीत लहर कहते है, आसान शब्दों में कहा जा सकता है कि सर्दी के मौसम में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से लेकर 04-05 डिग्री नीचे चला जाता है तो इसे शीत लहर कहा जाता है। स्थानीय मौसम पूर्वानुमान के लिए रेडियो, टी.वी. एवं समाचार पत्र जैसे सभी मीडिया द्वारा दी जा रही जानकारी का अनुसरण करें। पर्याप्त मात्रा में गर्म कपड़े पहने। नियमित रूप से गर्म पेय पीते रहे। शीत लहर के समय विभिन्न प्रकार की बीमारियों की संभावना अधिक बढ़ जाती है, जैसे फ्लू, सर्दी, खांसी एवं जुकाम आदि के लक्षण हो जाने पर चिकित्सक से संपर्क करें। कम तापमान के लक्षण जैसे सामान्य से कम शरीर का तापमान, न रुकने वाली कपकपी, याददाश्त चले जाना, बेहोशी या मूर्छा की अवस्था का होना, जबान का लड़खडाना आदि प्रकट होने पर चिकित्सक से संपर्क कर उपचार प्राप्त करें।

शीत लहर के दौरान सॉवधानियां बरते- पर्याप्त मात्रा में गर्म कपड़े जैसे दस्ताने, टोपी, मफलर, एवं जूते आदि पहने, शीत लहर के समय चुस्त कपड़े ना पहने यह रक्त संचार को कम करते है।

इंदौर के श्री वैष्णव पॉलिटेक्निक महाविद्यालय को अपने गौरव के अनुरुप नये स्वरुप में स्थापित किया जाएगा

इंदौर। इंदौर के श्री वैष्णव पॉलिटेक्निक महाविद्यालय को अपने गौरव के अनुरूप नये स्वरूप में स्थापित किया जाएगा। इसके लिए विस्तृत मास्टर प्लान तैयार कर कार्य कराये जाएंगे। महाविद्यालय का नया भवन बनाया जाएगा। इसमें सभी एकेडमिक और प्रशासनिक सुविधाएं रहेंगी। महाविद्यालय में नये पाठ्यक्रम भी शुरू किये जाएंगे। फैकल्टी की नई भर्ती भी की जाएगी। यह जानकारी आज यहां संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई श्री वैष्णव सहायक कपड़ा मार्केट टेक्निकल एज्युकेशन सोसायटी की 59वीं बैठक में दी गई। बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती ज्योति शर्मा, अध्यक्ष प्रबंध समिति श्री पुरूषोत्तम दास पसारी, प्रभारी प्राचार्य श्री एस.एस. शर्मा सहित अन्य सदस्य मौजूद थे। बैठक में इंदौर के श्री वैष्णव पॉलिटेक्निक महाविद्यालय के संचालन के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। बताया गया कि इस संस्थान का भवन भी पुराना हो गया है। फैकल्टी भी कम हो गई है। सुविधाएं भी धीरे-धीरे कम हो रही हैं। इन सबके मद्देनजर इस संस्थान की निर्धारित सीटों में भी कमी की गई है।

मुख्य न्यायाधीश श्री सुरेश कुमार कैत की हृदयस्पर्शी पहल - सपनों की उड़ान

इंदौर। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश श्री सुरेश कुमार कैत ने दिव्यांग बच्चों के सपनों को पूरा करने के लिए एक उल्लेखनीय कदम उठाया है। सपनों की उड़ान पहल के तहत मुख्य न्यायाधीश ने पांच बच्चों के लिए हवाई यात्रा की सौग़ात दी है।

हाल ही में संवाद परामर्श के दौरान एक बच्चे ने हवाई जहाज में उड़ान भरने के अपने सपने को साझा किया। इस हार्दिक इच्छा से प्रेरित होकर मुख्य न्यायाधीश ने सत्र में भाग लेने वाले सभी पांच बच्चों के लिए एक विशेष व्यवस्था की। 7 जनवरी, 2025 को बच्चे जबलपुर से इंदौर के लिए उड़ान में सवार हुए, जिससे एक अविस्मरणीय यात्रा की शुरुआत हुई।

मुख्य न्यायाधीश ने 17 नवंबर, 2024 को एक सम्मान कार्यक्रम के दौरान 56 बच्चों को उनके उत्कृष्ट प्रयासों और समर्पण के लिए 5000 रूपये (कुल 2,80,000) से पुरस्कृत भी किया। समारोह के दौरान मुख्य न्यायाधीश श्री कैत ने बच्चों को प्रोत्साहित किया कि बच्चे हर पल को संजोएं और अपने सपनों को पूरी तरह जिएं।

मुख्य न्यायाधीश श्री सुरेश कुमार कैत की इस हृदयस्पर्शी पहल ने बच्चों और उनके परिवारों पर स्थायी प्रभाव छोड़ा है। यह दिव्यांग बच्चों के चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए सामूहिक प्रयासों के महत्व पर प्रकाश डालता है और दूसरों को उनके नक्शे कदम पर चलने के लिए प्रेरित करता है।

प्लेन से इंदौर आये दिव्यांग बच्चों ने की इंदौर सैर

इंदौर। एक अनूठी पहल के तहत प्लेन से इंदौर आये दिव्यांग बच्चों ने इंदौर शहर की सैर की। इस दौरान उन्होंने शहर के विभिन्न प्रमुख स्थानों को देखा और यहां के प्रसिद्ध स्वाद का लुफ्त भी लिया। उल्लेखनीय है कि सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा न्यायिक एकेडमी जबलपुर में दिव्यांग बच्चों की सुरक्षा के लिये आयोजित संवाद कार्यक्रम में न्यायमूर्ति श्री आनंद पाठक एवं किशोर न्यायालय सचिव की उपस्थिति में बच्चों द्वारा फ्लाइट यात्रा करवाए जाने की मंशा जाहिर की गई थी। इस पर विभाग द्वारा जबलपुर के 5 दिव्यांग बच्चों के साथ साथ 2 अभिभावक, 2 जे.जे.सी. सदस्यों के साथ साथ 2-2 शिक्षकों को इंदौर की प्लेन से यात्रा करवाई गई।

दिव्यांगजनों द्वारा आज सबसे पहले सुबह खजराना गणेश मंदिर में गणेश जी के दर्शन किये गए। चिडियाघर में वन्य प्राणियों को देखा। 56 दुकान पर पहुंचकर स्वादिष्ट व्यंजनों का लुफ्त लिया। उनके द्वारा इंदौर के ऐतिहासिक राजबाडा एवं लालबाग पैलेस का भ्रमण भी किया गया। जबलपुर से आए मेहमानों ने सामाजिक न्याय विभाग द्वारा फ्लाइट से करवाई गई सैर की सराहना की। खजराना गणेश मंदिर के श्री घनश्याम शुक्ला, चिडियाघर के प्रभारी अधिकारी डॉ. उत्तम यादव, 56 दुकान एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री गुंजन शर्मा, पुरातत्व विभाग के डिप्टी डायरेक्टर श्री प्रकाश परांजपें द्वारा सभी मेहमानों का आत्मीय स्वागत किया गया। सामाजिक न्याय विभाग की ओर से समग्र सामाजिक सुरक्षा विस्तार अधिकारी श्रीमती शिखा मालाकार द्वारा दिव्यांगजनों एवं टीम के सभी सदस्यों को इंदौर के दर्शनीय स्थल एवं ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण करवाया गया।

इंदौर जिले में बीते वर्ष की उपलब्धि

इंदौर। इंदौर जिले में बीते वर्ष एक लाख 69 हजार 609 हितग्राहियों को 7123.58 लाख रुपये की पेंशन उपलब्ध कराई गई। इंदौर जिले में विभिन्न सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग इंदौर के संयुक्त संचालक द्वारा मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के अंतर्गत बीते वर्ष की उपलब्धियों, भौतिक वित्तीय प्रगति के विषय में बताया गया है कि गत वर्ष 2024 में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना के माध्यम से 27 हजार 760 हितग्राहियों को 600 रुपये प्रतिमाह के हिसाब कुल 1165.92 लाख रुपये दिये गये। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना में 13 हजार 295 हितग्राहियों को 600 रूपये प्रतिमाह के हिसाब से 558.39 लाख रुपये प्रदत्त किये गये। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय निःशक्त पेंशन योजना में 1205 हितग्राहियों को 600 रूपये प्रतिमाह के हिसाब से रूपये 50.61 लाख रुपये प्रदत्त किये गये। कन्या अभिभावक पेंशन योजना के 4244 हितग्राहियों को 600 रुपये के हिसाब से 178.248 लाख रुपये दिये गये। मंदबुद्धि/बहुविकलांग आर्थिक सहायता में 600 रूपये प्रतिमाह के हिसाब से 2881 हितग्राहियों को रूपये 121.002 लाख रुपये प्रदत्त किये गये।

समग्र सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के अंतर्गत सामाजिक सुरक्षा वृद्धावस्था पेंशन योजना में 600 रूपये प्रतिमाह के हिसाब से 39 हजार 734 हितग्राहियों को 1668.828 लाख रुपये दिये गये। सामाजिक सुरक्षा परित्यक्ता पेंशन योजना में 600 रूपये प्रतिमाह के हिसाब से 648 हितग्राहियों को 27.216 लाख रुपये दिये गये। सामाजिक सुरक्षा निःशक्त पेंशन योजना में 600 रूपये प्रतिमाह के हिसाब से 10 हजार 580 हितग्राहियों को 444.36 लाख रुपये प्रदत्त किये गये।

नगर पालिका निगम इंदौर के स्वास्थ्य विभाग की वार्षिक उपलब्धि

इंदौर। नगर पालिका निगम इंदौर के स्वास्थ्य विभाग द्वारा विगत वर्ष की उपलब्धियों का विवरण देते हुए बताया गया है कि निगम सीमा क्षेत्र के 22 झोनों में 25 स्वीपिंग मशीनों की सहायता से सफाई कार्य प्रतिदिन नियमित रूप से किया गया, जो आज भी जारी है। मुख्य मार्गों पर स्थित भवनों, दीवारों, पैदल मार्गों पर सफाई-धुलाई का कार्य भी नियमित रूप से किया जाकर आज भी किया जा रहा है। शहर के पर्यटन स्थल व सार्वजनिक स्थलों, गार्डनों, दार्शनिक स्थलों पर भी साफ-सफाई की विशेष व्यवस्था की गई है। इसमें फुटपाथों की सफाई व्यवस्था भी शामिल है। इसी प्रकार महापौर टास्क फोर्स का गठन किया जाकर 42 कर्मचारियों द्वारा दल बनाकर शहर के विभिन्न वार्डों में विशेष साफ-सफाई की व्यवस्था के साथ-साथ उनके सौन्?दर्यीकरण का कार्य सतत किया गया, वह आज भी जारी है। सार्वजनिक मार्गों पर आयोजित कार्यक्रमों, बारात, जुलूस के दौरान होने वाली गंदगी को नियंत्रित करने के साथ-साथ जन जागरूकता अभियान भी चलाया गया था। सफाई मित्रों की कमी को भी दूर किया जाकर सफाई व्यवस्था को सुचारू रूप से संपन्न किया गया था। मच्छरों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु फागिंग मशीन से धुआं व सीकर पंप के माध्यम से कीटनाशक दवाइयों का छिड़काव करवाया जाकर डेंगू एवं लार्वा की रोकथाम की गई तथा यह कार्य आज भी निरन्तर जारी है। औषधीय का छिड़काव भी किया जा रहा है।

मृत्युंजय महाकाल त्राहिमाम शरणागतः ,
जन्म मृत्यु जरा व्याधि पीड़ितो कर्म बंधनाह
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर प्रभु सभी को आरोग्यता प्रदान करें।

हितग्राही शासन की योजनाएं का अधिक से अधिक लाभ लेते हुए अपनी समस्याओं का समाधान करवाएं -विधायक

उज्जैन। मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान अंतर्गत नगर निगम द्वारा वार्ड वार शिविरों का आयोजन किया जा रहा है जिसमें शासन के विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी द्वारा उपस्थित रहकर नागरिकों की समस्याओं का निराकरण किया जा रहा है तथा पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ प्रदान किया जा रहा है।

गुरुवार को जोन क्रमांक 03 वार्ड क्र. 26 स्थित लक्कड़ गंज कम्युनिटी हॉल पर मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान शिविर उज्जैन उत्तर विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती प्रेमलता रामी,जोन अध्यक्ष श्री सुशील श्रीवास की उपस्थिति में आयोजित किया गया। शिविर में आए हितग्राहियों द्वारा निगम सहित अन्य योजनाओं की जानकारी प्राप्त की गई।

विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा द्वारा शिविर को संबोधित करते हुए कहा गया कि उज्जैन शहर माननीय मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी का गृह नगर है यहां के नागरिकों एवं हितग्राहियों को किसी प्रकार की कोई दिक्कत एवं कमी नहीं आने दी जाएगी शहर में चहूं और विकास कार्य किए जाएंगे, साथ ही शासन द्वारा आप सभी नागरिकों एवं हितग्राहियों के लिए बुकलेट उपलब्ध करवाई गई है जिसमें शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं की जानकारी उपलब्ध है आप सभी जानकारी को पढ़ते हुए योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लें,इस दौरान विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा द्वारा नामांकन स्वीकृति पत्र शिविर में आए हितग्राहियों को वितरित किए गए।

इस दौरान मंडल अध्यक्ष श्री विजय चौहान,जोनल अधिकारी श्री दीपक शर्मा,निगम के अधिकारी कर्मचारी एवं वार्ड के नगरीकरण उपस्थित रहे।

ठहाका महोत्सव 2025–वॉयस ऑफ ठहाका में चयनित 25 गायकों ने दर्शकों का दिल जीता

उज्जैन। अंतरराष्ट्रीय ठहाका सम्मेलन के गौरवपूर्ण 25 वर्ष (रजत जयंती वर्ष) पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित आठ दिवसीय ठहाका महोत्सव के अंतर्गत वॉयस ऑफ ठहाका का शानदार आयोजन कालिदास अकादमी में किया गया। जिसमें शहर और आस-पास के क्षेत्र के 300 से अधिक गायकों ने ऑडिशन में भाग लिया, जिनमें से 25 श्रेष्ठ गायक-गायिकाओं को चयनित किया गया। इन प्रतिभाशाली कलाकारों ने अपने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियों से पुराने और नए गीतों की धुनों पर समां बांध दिया।

कार्यक्रम के जज अशोक गंधर्व, महेश मोयल थे, जिन्होंने 25 चयनित गायकों में से 10 श्रेष्ठ गायकों को चुना। विजेताओं को 11 जनवरी की शाम 7 बजे कालिदास अकादमी में आयोजित अंतरराष्ट्रीय ठहाका सम्मेलन में फिल्म अभिनेता तुषार कपूर के हाथों पुरस्कृत किया जाएगा। इस आयोजन के मुख्य अतिथि गोविंद (बबलू) यादव, संजय यादव, कपिल यारदे, महेश सीतलानी थे। वॉयस ऑफ ठहाका के संयोजक डॉ. महेंद्र यादव थे, जबकि कार्यक्रम की प्रभारी प्रीति दीक्षित ने अपनी कुशलता से इस आयोजन को सफल बनाया।

कार्यक्रम में डॉ. महेंद्र यादव, अशोक भाटी, दिनेश दिग्गज, नरेंद्र सिंह अकेला, सुरेंद्र सर्किट, कुमार संभव, राहुल शर्मा, सौरभ चातक, वैशाली शुक्ला, शबनम अली, हरि सिंह यादव, ललित लुल्ला, राजेंद्र शाह, रितिक यादव, विजय तिवारी, आशीष खंडेलवाल, राहुल प्रजापति, रोहित चौहान, और उज्ज्वल यादव सहित कई गणमान्य अतिथियों ने उपस्थिति दर्ज की।

कार्यक्रम ने न केवल कलाकारों को एक मंच प्रदान किया बल्कि उज्जैन की कला और संस्कृति के प्रति लोगों के प्रेम को भी उजागर किया। ठहाका महोत्सव के आयोजन को लेकर शहर में उत्साह चरम पर है।

विराट बजरंग दल की कार्यकारिणी गठित

उज्जैन। विराट बजरंग दल से संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सुशीला देवी,, राष्ट्रीय प्रभारी श्री निरंजन जी राजपूत,, राष्ट्रीय प्रचारक श्री मुकेश जी शर्मा,, राष्ट्रीय महासचिव श्री नारायण जी चौधरी,, वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री ईश्वरलाल जी सहित समस्त राष्ट्रीय कोर कमेटी के निर्देशानुसार विराट बजरंग दल गौरक्षा प्रकोष्ठ से राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष श्री जोगाराम जी मैन्सन के नेतृत्व में गौरक्षा प्रकोष्ठ की कार्यकारिणी गठित करते हुए ,, उज्जैन मध्यप्रदेश से सक्रिय गौभक्त श्री राजू सिंह राजपुरोहित को मध्यप्रदेश से प्रदेशाध्यक्ष नियुक्त किया।

पूर्व महापौर स्व. प्रेमनारायण यादव की 26वीं पूण्यतिथी पर अर्पित की प्रेम पुष्पांजली

उज्जैन। पूर्व महापौर एवं सभापति स्व. प्रेमनारायण यादवजी की 26वीं पूण्यतिथी पर 9 जनवरी को देवासगेट पर प्रेम पुष्पांजली एवं सुंदरकांड का आयोजन हुआ।

प्रेम पुष्पांजली में शहर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश भाटी, विधायक महेश परमार, पूर्व विधायक बटूकशंकर जोशी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष करण कुमारिया, नेता प्रतिपक्ष रवि राय, प्रेमसिंह यादव, महिला कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया ठाकूर, हरनामसिंह यादव, देवव्रत यादव, जितेन्द्र तिलकर, महेश सोनी, गब्बर कुवाल, छोटेलाल मंडलोई, अर्पित दुबे, पूर्व ब्लाक अध्यक्ष अशोक उदयवाल, ब्लाक अध्यक्ष मुजीब भाई, ओमप्रकाश रामी, नरेन्द्र यादव (देवास), लक्ष्मीनारायण उपाध्याय, सुनिल कछवाय, सुरेन्द्र मरमट, विजय यादव, केलाश बिसेन, ओम भारद्वाज, सुरेश गेहलोत, लालचंद भारती, आंनद बागोरिया, रामेश्वर आंजना, महेश सुगंधी, बब्लु खिची, पूर्व बार अध्यक्ष सुरेन्द्र चतुर्वेदी, शाहीद सिद्धीकी, राकेश गिरजे, रवि यादव, विशु यादव, मनीष जाटवा, राहुल अखण्ड, आदित्य ठाकूर, लवेश परमार आंनदेश्वरी परिवार, अजय यादव, चेतन यादव मित्र मंडली सहित समस्त देवासगेट व्यापारियों द्वारा श्री प्रेमनारायण यादव का पूण्य स्मरण कर प्रेम पुष्पांजली अर्पित की। अजय होटल परिसर में हुए सुंदरकांड में बड़ी संख्या में गणमान्यजन मौजूद रहे।

24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ की पूर्णाहुति यज्ञ ही कल्याण का हेतु है - आचार्य सूरत सिंह अमृते

गायत्री परिवार की बहनों के साथ मशाल हाथ में थाम कर नारी शक्तिकरण का संदेश

उज्जैन। महाकाल की नगरी उज्जैन में 24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ की पूर्णाहुति 9 जनवरी को हुई। दीप यज्ञ में हजारों दीप जलाए गए।

भव्य दीपयज्ञ में नगर निगम सभापति कलावती यादव द्वारा गायत्री परिवार की बहनों के साथ मशाल हाथ में थाम कर नारी शक्तिकरण का संदेश दिया। आपने आचार्य अमृतेजी से आशीर्वाद लिया। अखिल विश्व गायत्री परिवार उज्जैन के आओ गड़े संस्कारवान पीढ़ी उप जोन समन्वयक उर्मीला तोमर ने बताया कि अद्भुत आयोजन को सफल बनाने में क्षेत्रीय निवासी एवं गायत्री परिवार के भाई बहनों का अतुलनीय प्रयास रहा। सह समन्वयक रजनी मीणा ने आभार व्यक्त किया। गीता पाटीदार, रक्षा नरवरे, शशि तोमर, वंदना पाठक, उमा तोमर, सुनीता शर्मा, निशा धनोतिया, शांति भट्ट, पंकज राजोरिया, चंद्रकला आर्य, उर्मिला जोशी, ममता निगम, रमेश लेवे, आरती वर्मा, बेलावतजी, महेश आचार्य, जे पी यादव, नरेंद्र सिकरवार, स्वाति चंदेरिया, प्रकाश खींची, बाडोलियाजी, अशोक मालवीय का विशेष सहयोग रहा।

उर्मिला तोमर ने बताया कि महायज्ञ दौरान 44 गुरु दीक्षा संस्कार संपन्न हुए। अखंड ज्योति एवं परम वंदनिया माता जी की जन्म शताब्दी वर्ष के लिए समाज सेवा के लिए दो जीवनदिनी 12 लोगों ने एक वर्ष का समय दान करने का संकल्प लिया। 3 महीने के 7 समय दानी, एक महीने के 16 समय दानी और सप्ताह में एक दिन के लिए 39 लोगों ने समय दान देने का संकल्प लिया। जो समाज के लिए एक श्रेष्ठ काम करेंगे। समाज के भटके हुए युवाओं को दिशा देंगे उन्हें नशा मुक्त करेंगे। व्यास सूरत सिंह अमृते ने पूर्णाहुति में बताया कि सारे संसार में विज्ञान ने बहुत शोध किया। आज विज्ञान का चमत्कार ही है। आदमी गुफाओं से निकल करके जिन्हें वनमानुष कहा जाता था। लेकिन बुद्धि का विकास करके गुफाओं में से कुटिया में आया होगा, झोपड़ी बनाया होगा फिर मकान बनाया होगा फिर धीरे-धीरे गांव बसे और गांव के बाद आज गांव शहर में तब्दील होने लगे बड़े-बड़े भवन बड़ी-बड़ी अट्टालिका है। यह सब है बुद्धि का विकास। विज्ञान का चमत्कार जो बड़ी-बड़ी गाड़ियां हैं आज हर गांव में रोड पहुंच गई है।

आज डॉक्टर हैं, आज गांव गांव में मास्टर हैं, कंप्यूटर हैं, हॉस्पिटल हैं, स्कूल कॉलेज हैं और लोगों के पास बड़ी महंगी महंगी गाड़ियां हैं, सब कुछ होते हुए जीवन में शांति नहीं है। आज ना पढ़ा लिखा इंसान सुखी है ना आज अनपढ़ आदमी सुखी है ना गरीब सुखी है न अमीर के जीवन में शांति है न पंडित के जीवन में शांति है ना विद्वान के जीवन में शांति है। आज चारों तरफ अशांति ही अशांति है। तब समाधान क्या होगा।

भगवान भाव एवं प्रेम के भूखे हैं– डॉ. ब्रजोत्सव महाराज

उज्जैन। भगवान कृपा करने के लिए मनुष्य की योग्यता नहीं देखते हैं। उसके भाव व भक्ति का दर्शन करते हैं। योग्यता देखना संसार का काम है, योग्य बनाना भगवान का काम है। भगवान पतीत को भी पावन बनाते हैं। भगवत भगवान की भक्ति आनंद भी प्रदान करती है और मोक्ष भी प्रदान करती हैं। इसलिए सुखदेवजी के रूप में भगवान ने अवतार लिया। परिक्षित को भगवत रूपी अमृत पिलाया।

यह बात भव्य सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा रसपान महोत्सव व 108 भागवत पारायण में अनंत श्री विभूषित राजाधिराज ज.पी. पद्मश्री, पद्मभूषण सम्मानित गोस्वामी श्री गोकुलोत्सवजी महाराजश्री के लालजी (सुपुत्र) सोमयज्ञ सम्राट आचार्य श्री डॉ. गोस्वामी पू.पा. श्री बृजोत्सवजी महाराज श्री इन्दौर ने कहीं। मीडिया प्रभारी दीपक राजवानी के अनुसार 9 जनवरी को कथा में बावन अवतार हुआ। आपश्री ने कथा का वाचन करते हुए समझाया कि भगवान प्रेम के भूख है दुर्योधन का 56 भोग पकवान छोड़ा, विदूर के कैले के छिलके खाये।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com